धनबाद, सोमवार
11 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 220
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार, 6 नए मंत्रियों ने ली शपथ

लखनऊ,(एजेंसी) : उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में रविवार को दूसरी बार मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। राजभवन में आयोजित समारोह में छह नए मंत्रियों ने शपथ ली, जबकि दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत कर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया।

समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शपथ ली। इसके बाद समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा के करीब आए विधायक मनोज पांडेय ने मंत्री पद की शपथ ली। दोनों नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। इसके बाद अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर ने शपथ ली। दोनों पहले राज्य मंत्री थे और अब उन्हें राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का दर्जा दिया गया है। वहीं कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्यमंत्री बनाया गया है। कृष्णा पासवान की नियुक्ति खास चर्चा में रही। वे चौथी बार विधायक बनी हैं और राजनीति में आने से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में काम कर चुकी हैं। नए मंत्रियों ने राज्यपाल और सीएम के पैर पड़े

शपथ ग्रहण के बाद कई नए मंत्रियों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नए मंत्रिमंडल में सामाजिक समीकरणों का भी ध्यान रखा गया है। इसमें एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग के नेताओं को जगह मिली है।

अमित शाह ने लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की जानी चाहिए। श्री शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूवार्नुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) गठित और सक्रिय किए जाने चाहिए। आपदाओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी दिशानिदेर्शों से जागरूकता बढ़ी है और ₹समग्र सरकारी₹ दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिदेर्शों

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल शहर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अस्पताल की टीम ने आधुनिक तकनीक के समावेश पर विशेष ध्यान दिया है, जो सराहनीय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु अस्पताल के शुरू होने से हैदराबाद और आसपास के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने इसे स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

तमिलनाडु में नए युग की शुरूआत, विजय ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

चेन्नई(एजेंसी) : तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक ऐतिहासिक बदलाव देखा गया, जब तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय के मुख्यमंत्री बनते ही राज्य की राजनीति में बीते छह दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के दबदबे का अंत हो गया है।

जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में विजय के साथ उनके मंत्रिमंडल के नौ अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। इनमें एन. आनंद, आधव अर्जुन, केजी अरुण राज, केए. सेंगोट्टैयन, पी. वेंकेटरामनन, आर. निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टी.के. प्रभु और सेल्वी एस. कीर्तना शामिल हैं। कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के कई दिग्गज राजनेता और फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं। स्टेडियम की पहली पंक्ति में विजय के माता-पिता, प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के साथ-साथ अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन और उनकी माता के लिए विशेष स्थान आरक्षित था। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हजारों समर्थकों की मौजूदगी में यह समारोह संपन्न हुआ।

234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई। हालांकि, कांग्रेस, सीपीआई और सीपीआई (एम) के समर्थन के साथ टीवीके गठबंधन को कुल 120 विधायकों का साथ मिला। विजय ने शनिवार रात राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर सहयोगी दलों के समर्थन पत्र सौंपे थे। राज्यपाल ने उन्हें 13 मई तक सदन में विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया है। यह शपथ ग्रहण समारोह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक वैचारिक बदलाव का प्रतीक है। 1967 के बाद यह पहला मौका है जब तमिलनाडु में किसी गैर-द्रविड़ दल ने सत्ता की बागडोर संभाली है। इस जीत के साथ ही विजय ने फिल्मी पर्दे से निकलकर राजनीति के शिखर तक का सफर तय कर लिया है।

वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए बहुमत के आंकड़े को पार करेगी

बेंगलुरु,(एजेंसी) : पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में एक विशाल जनसभा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज बेंगलुरु की धरती से भगवा सूरज उग आया है। उन्होंने कहा कि अभी केरलम में भी हम 1 से 3 एमएलए पर पहुंच गए हैं। अब वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए की संख्या तीन से बढ़कर बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि एक बीजेपी कार्यकर्ता के तौर पर, मैं समझता हूं कि जब हजारों बीजेपी कार्यकर्ता इतनी सुबह एक साथ आ सकते हैं, तो इसका क्या मतलब होता है। मैं आप सभी का आभारी हूं। बंगाल की जीत आपकी भी जीत है। पीएम मोदी ने कहा कि आज 10 मई की ऐतिहासिक तारीख है। 1857 में आज के ही दिन स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी फूटी थी। समय के साथ ये चिंगारी एक बड़ी ज्वाला में बदल गई, जिसने गुलामी की बेड़ियों को जलाकर राख कर दिया।उन्होंने कहा कि साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी भावना से प्रेरित होकर, तीन दिन पहले हमने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ

मनाई। कल सुबह 11 तारीख को मैं गुजरात के सोमनाथ में रहूंगा, जहां मंदिर के पुनर्निर्माण का उत्सव मनाया जाएगा।पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आज मैं ऐसे समय में बेंगलुरु आया हूं, जब देश में चुनाव परिणामों पर चर्चा चल रही है। पुडुचेरी में लगातार दूसरी बार और असम में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनना, बंगाल में पहली बार बीजेपी को इतना बड़ा आशीर्वाद मिलना और अभी-अभी 2 सप्ताह पहले गुजरात के पंचायत और निकाय चुनाव में इतनी भारी विजय मिली कि गुजरात बीजेपी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। ये चुनाव परिणाम भारत की राजनीतिक दशा-दिशा के लिए अहम हैं। ये भारत के नौजवानों, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग, हर वर्ग का मूड दशार्ते हैं। इन परिणामों का एक बहुत बड़ा संदेश ये है कि अस्थिरता में घिरी इस दुनिया में भारत की जनता स्थिरता का मंत्र दे रही है।उन्होंने कहा कि आपको याद होगा कि सिर्फ 10 साल पहले बंगाल में हमारे सिर्फ 3 एमएलए थे। लेकिन आज वहां 200 से भी ज्यादा विधायकों के साथ बीजेपी की सरकार है। अभी केरलम में भी हम 1 से 3 एमएलए पर पहुंच गए हैं। अब वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए की संख्या तीन से बढ़कर बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी।

रंगास्वामी 13 मई को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पुडुचेरी में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त करने की मंजूरी दे दी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त किया है और यह नियुक्ति उनके शपथ ग्रहण की तिथि से प्रभावी होगी।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना जारी होने के बाद पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने एन. रंगास्वामी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। सूत्रों के अनुसार, रंगासामी आगामी 13 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसके साथ ही वे पांचवीं बार पुडुचेरी की सत्ता संभालेंगे।

गौरतलब है कि पिछले महीने चार राज्यों के साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी विधानसभा चुनाव संपन्न हुए थे। 4 मई को घोषित चुनाव परिणामों में पुडुचेरी में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के नेतृत्व वाले

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्ता में वापसी की। चुनाव परिणामों के अनुसार, ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा को 4 सीटें मिलीं। इसके अलावा अन्नाद्रमुक और लाचिया जननायगा काची को एक-एक सीट प्राप्त हुई।

रंगासामी का राजनीतिक सफर

एन. रंगास्वामी को पुडुचेरी की राजनीति का बेहद अनुभवी और लोकप्रिय चेहरा माना जाता है। पेशे से वकील रहे रंगास्वामी अपने शांत और विनम्र स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। राजनीतिक जीवन की शुरूआत उन्होंने कांग्रेस पार्टी से की थी, लेकिन पार्टी में आंतरिक मतभेदों और खींचतान के चलते उन्होंने वर्ष 2008 में कांग्रेस छोड़ दी। इसके बाद फरवरी 2011 में उन्होंने ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस की स्थापना की। उसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की और रंगास्वामी पहली बार अपनी नई पार्टी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री बने। इस बार की जीत के साथ रंगास्वामी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पुडुचेरी की राजनीति में उनकी पकड़ अब भी मजबूत बनी हुई है।

हंतावायरस से प्रभावित शिप टेनेरिफ द्वीप पहुंचा, यात्री और चालक दल उतरा

इस प्रकोप के शुरू होने के बाद से अब तक तीन यात्रियों की हो चुकी है मौत

नई दिल्ली,(एजेंसी) : क्रूज ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन्स ने शनिवार को बताया कि हंटावायरस से प्रभावित डच-फ्लैग वाले जहाज एमवी होंडियस पर सवार यात्री और चालक दल के कुछ सदस्य रविवार को सुबह जीएमटी से टेनेरिफ में उतरे। कंपनी ने बताया कि जहाज के सुबह 4:30 जीएमटी पर ग्रेनाडिला, टेनेरिफ पहुंचने की उम्मीद थी और जहाज से उतरने वालों को तुरंत उनके निर्धारित विमानों में ट्रांसफर कर दिया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस के टेनेरिफ में इस रेस्क्यू अभियान के समन्वय में मदद करने की उम्मीद है। स्पेनिश द्वीप के लोगों के नाम लिखे एक खुले पत्र में कहा कि वायरस से प्रभावित इस जहाज से उन्हें जो खतरा है वह कम है। घेब्रेयसस ने लोगों को आश्वस्त किया कि मैं चाहता हूं कि आप मेरी बात स्पष्ट रूप से सुनें कि यह कोई नया कोविड नहीं है। हंटावायरस से वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन की स्वास्थ्य मंत्री मोनिका गार्सिया गोमेज ने स्पष्ट किया है कि कैनरी द्वीप समूह में न तो यात्रियों का सामान और न ही मृतक व्यक्ति का शव उतारा जाएगा, वे चालक दल के एक हिस्से के साथ जहाज पर ही रहेंगे। वर्तमान में जहाज पर 20 से ज्यादा देशों के नागरिक सवार हैं। डब्ल्यूएचओ, स्पेनिश अधिकारियों और ओशनवाइड ने बताया कि फिलहाल जहाज पर मौजूद किसी भी व्यक्ति में वायरस के लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस प्रकोप के शुरू होने के बाद से अब तक तीन यात्रियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा जहाज से पहले ही उतर चुके पांच अन्य यात्रियों के भी हंटावायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि संक्रमित यात्रियों में एंडीज वायरस पाया गया है। यह हंटावायरस का एकमात्र ऐसा ज्ञात स्ट्रेन है जो दुर्लभ मामलों में एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। हंटावायरस आमतौर पर संक्रमित चूहों के मल-मूत्र के संपर्क में आने या सांस के जरिए उसे अंदर लेने से फैलता है। इसके लक्षण संपर्क में आने के एक से आठ सप्ताह के बीच दिखाई दे सकते हैं।

जो किया दैवीय शक्तियों के प्रभाव में किया....

स्वयंभू बाबा अशोक खरात पर कसा शिकंजा तो देने लगे देवी-देवताओं की दुहाई

गवाह की मौत से बढ़ा रहस्य, 58 अश्लील वीडियो

1500 करोड़ की संपत्ति और फर्जी खातों के जाल में उलझा मामला

नासिक,(एजेंसी) : स्वयंभू बाबा अशोक खरात से जुड़ा मामला महज यौन शोषण या आर्थिक धोखाधड़ी तक सीमित ही सीमित नहीं रह गया, बल्कि अब यह महाराष्ट्र के चर्चित और जटिल मामलों में शुमार हो चुका है। बाबा के ऑफिस की 58 अश्लील वीडियो, करीब 150 पीड़ित महिलाओं, 1500 करोड़ रुपए की कथित संपत्ति, 100 फर्जी बैंक खातों और राजनीतिक संपर्कों के आरोपों के बीच अब इस केस का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कसते शिंकजे के बीच खरात ने अब देवी-देवताओं की दुहाई देनी शुरू कर दी है, उसका कहना है उसने जो किया दैवीय शक्तियों के प्रभाव से किया।

बहरहाल इस मामले में सबसे बड़ा सवाल अहम गवाह जितेंद्र शेलके की संदिग्ध मौत को लेकर भी खड़ा हो गया है। फिलहाल केस

की जांच नासिक और शिरडी पुलिस के साथ-साथ एसआईटी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहे हैं। अशोक खरात इस समय जेल में है और हाल ही में शिरडी कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

दैवीय शक्तियों का हवाला

जांच टीम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के दौरान अशोक खरात ने स्वीकार किया कि उससे ह्लगलतियांह्व हुई हैं, लेकिन उसने दावा किया कि यह सब ह्लदैवीय शक्तियोंह्व के प्रभाव में हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खरात लगातार यह कहता रहा कि महिलाओं के साथ उसके संबंध सहमति से बने थे। हालांकि एसआईटी इस दावे से सहमत नहीं है। पुलिस को शक है कि महिलाओं को नशीले पदार्थ या दवाएं देकर उनका शोषण किया जाता था। खरात का कहना है कि वह कई बार ह्लसमाधिह्व जैसी अवस्था में चला जाता था और बाद में उसे होश आता था। जांच एजेंसियां इन दावों को बचाव की रणनीति मान रही हैं।

56 अनुयायियों के नाम पर 100 खातेप्रवर्तन निदेशालय की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कोपरगांव की एक पतपेढ़ी बैंक में 56 अनुयायियों के नाम पर करीब 100 खाते खोले गए थे। इन खातों में लगभग 70 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। सबसे अहम बात यह है कि सभी खातों में नॉमिनी के तौर पर अशोक खरात का नाम व मोबाइल नंबर दर्ज था। जब खाताधारकों से पूछताछ की गई तो कई लोगों ने दावा किया कि उन्हें अपने नाम पर खाते खुलने की जानकारी तक नहीं थी।

ऑफिस असिस्टेंट ने खोली पोल

मामले की शुरूआत तब हुई जब अशोक खरात ने खुद ब्लैकमेलिंग की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान उसके पूर्व ऑफिस असिस्टेंट नीरज जाधव का नाम सामने आया। नीरज ने एसआईटी को बताया कि वह अपनी गर्भवती पत्नी को खरात के पास लेकर गया था, जहां धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर उसकी पत्नी से छेड़छाड़ की गई। इसके बाद उसने दोस्त की मदद से खरात के ऑफिस में हिडन कैमरा लगाया, जिससे कई वीडियो सामने आए। राजनीतिक संपर्कों की भी जांच

एसआईटी अब खरात के कथित राजनीतिक संबंधों की भी जांच कर रही है। कुछ नेताओं और पूर्व मंत्रियों से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। हालांकि जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उन्होंने किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। इस पूरे मामले ने अंधविश्वास, सत्ता और अपराध के गठजोड़ पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं खरात के घर और सिन्नर स्थित मंदिर परिसर में अब पूरी तरह सन्नाटा पसरा हुआ है।

आईएसआई से जुड़े मध्यप्रदेश के तीन युवक गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस का दावा- मंदिर, ढाबा और सैन्य कैंप की रेकी कर पाकिस्तान भेजी तस्वीरें

नई दिल्ली,(एजेंसी) : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के आरोप में मध्यप्रदेश के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे के एक ढाबे और हरियाणा स्थित सैन्य कैंप को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टीकमगढ़ निवासी अनमोल राय, ग्वालियर के डबरा निवासी राजवीर और विवेक बंजारा के रूप में हुई है। तीनों को उनके गांवों से गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाया गया।

स्पेशल सेल के अनुसार आरोपियों के मोबाइल फोन से कई संदिग्ध ई-मेल, ऑडियो और वीडियो कॉल रिकॉर्ड मिले हैं। जांच में सामने आया कि उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण स्थानों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजे थे।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों को दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर और वहां तैनात सुरक्षाबलों की रेकी करने का काम सौंपा गया था। इसके अलावा दिल्ली-सोनीपत हाईवे के एक मशहूर ढाबे पर ग्रेनेड हमला करने और हरियाणा के हिसार स्थित सैन्य कैंप की जानकारी जुटाने की भी योजना थी।

यह खुलासा दिल्ली पुलिस के गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0 के दौरान हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों से कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अब मॉड्यूल की फंडिंग और सीमा पार संपर्कों की जांच कर रही है।

गोला पुलिस ने किया नकली शराब फैक्ट्री का किया भंडाफोड़, भारी मात्रा में शराब, केमिकल व उपकरण बरामद, दो गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : जिले के गोला थाना क्षेत्र के ऊपर खाखरा स्थित पत्थलगढ़वा गांव में रविवार को गोला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली शराब बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में केमिकल, तैयार नकली शराब, खाली बोतल, स्टीकर, ढक्कन, ड्रम, प्रिंटर समेत कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। मामले में दो स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कई अन्य लोगों के शामिल होने की आशंका जतायी जा रही है।पुलिस की इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि पिछले करीब छह माह से यह अवैध कारोबार बड़े पैमाने पर संचालित हो रहा था। ग्रामीण क्षेत्र में सुनसान स्थान का फायदा उठाकर शराब बनाने और उसे बिहार समेत अन्य क्षेत्रों में सप्लाई किया जाता था।पुलिस अब इस मामले में अंतरराज्यीय गिरोह की भूमिका की भी जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार ऊपर खाखरा में किराये के मकान और गाय शेड का इस्तेमाल कर नकली शराब बनाने का धंधा संचालित किया जा रहा था।स्थानीय लोगों के मुताबिक इस कारोबार का मास्टरमाइंड बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है, जबकि बोकारो क्षेत्र के एक व्यक्ति की भी इसमें संलिप्तता की चर्चा है। बताया जाता है कि स्थानीय मजदूरों को दैनिक मजदूरी देकर शराब तैयार करने, बोतलों में भरने और पैकिंग का काम कराया जाता था।शराब तैयार होने के बाद उसे विभिन्न ब्रांडों के लेबल लगाकर बिहार भेजा जाता था। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क काफी लंबे समय से सक्रिय था और कई जिलों तक इसकी सप्लाई चेन फैली हुई थी।पुलिस जांच में यह बात सामने आयी है कि शिमला क्षेत्र से शराब मंगायी जाती थी, जिसमें अलग-अलग प्रकार के केमिकल मिलाकर नकली शराब तैयार की जाती थी।इसके बाद शराब को बोतलों में भरकर उस पर विभिन्न कंपनियों के नकली स्टीकर और लेबल लगाये जाते थे।इसके बाद बोतलों को पेटियों में पैक कर बाजार में भेजा जाता था।बताया जा रहा है कि यह शराब असली ब्रांड के नाम पर बेची जाती थी, जिससे लोगों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा था।पुलिस के अनुसार केमिकलयुक्त शराब के सेवन से जान तक जा सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इलाके में इतने बड़े स्तर पर नकली शराब का कारोबार चल रहा है। कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में भय और चर्चा का माहौल बना हुआ है।पुलिस जब छापेमारी करने मौके पर पहुंची तो वहां का दृश्य देखकर अधिकारी भी हैरान रह गये।बताया जाता है कि गोला क्षेत्र में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर नकली शराब फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल से लगभग 50 लीटर क्षमता वाले करीब 100 गैलेन केमिकल, करीब 500 पेटी शराब, 1000 से अधिक खाली बोतल, ढक्कन, ड्रम, शराब पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले स्टीकर, प्रिंटर और अन्य सामग्री बरामद की है।बरामद सामान को जब्त कर थाना लाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गयी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नकली शराब कहां-कहां भेजी जाती थी तथा इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे।ग्रामीणों के अनुसार गांव के एक व्यक्ति के गाय शेड में यह नकली शराब फैक्ट्री संचालित की जा रही थी।आसपास कम आबादी होने और क्षेत्र के जंगल से सटे होने के कारण किसी को इसकी भनक नहीं लगी।यह स्थान रामगढ़ और बोकारो थाना क्षेत्र की सीमा से भी जुड़ा हुआ है, जिससे तस्करों को आवाजाही में आसानी होती थी। पुलिस को संदेह है कि गिरोह ने जानबूझकर इस स्थान का चयन किया था ताकि आसानी से पुलिस की नजर से बचा जा सके।स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय अक्सर बाहरी लोगों का आना-जाना होता था, लेकिन किसी को यह अंदाजा नहीं था कि यहां नकली शराब बनाने का इतना बड़ा कारोबार चल रहा है।पुलिस कार्रवाई के बाद गांव के कई लोग फरार हो गये। पुलिस जब आसपास के घरों में पूछताछ करने पहुंची तो वहां केवल कुछ वृद्ध महिलाएं नजर आयीं।महिलाओं ने पुलिस को बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।उनका कहना था कि कौन लोग आते-जाते थे और क्या काम होता था, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी।हालांकि पुलिस को संदेह है कि स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों को इस कारोबार की जानकारी थी।पुलिस अब फरार लोगों की तलाश में जुट गयी है।ग्रामीणों के मुताबिक यह कारोबार पिछले छह माह से अधिक समय से संचालित हो रहा था। लोगों का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर नकली शराब बनाने का धंधा बिना किसी संरक्षण के संभव नहीं है। कुछ ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। हालांकि इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार किया है। बताया जाता है कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई की गयी।पुलिस अब गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी हुई है। संभावना जतायी जा रही है कि आने वाले दिनों में इस मामले में कई और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में जनगणना की तैयारी तेज, घर-घर पूछे जायेंगे 33 सवाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में जनगणना 2027 की तैयारी शुरू हो गयी है। राज्य सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी करते हुए जनगणना अधिकारियों को घर-घर जाकर जानकारी संग्रह करने का निर्देश दिया है। इसके तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के दौरान लोगों से 33 बिंदुओं पर जानकारी ली जायेगी। राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह कार्रवाई भारत सरकार के गृह मंत्रालय और भारत के महापंजीयक कार्यालय के निर्देश के आलोक में की जा रही है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना अधिकारियों को यह अधिकार दिया गया है।जनगणना के दौरान मकान की स्थिति, निर्माण सामग्री, परिवार के सदस्यों की संख्या, अनुसूचित जाति-जनजाति की स्थिति, पेयजल, बिजली, शौचालय, स्नानघर और रसोईघर की उपलब्धता जैसी जानकारियां जुटायी जायेंगी।इसके अलावा इंटरनेट सुविधा, मोबाइल फोन, लैपटॉप, टीवी, वाहन और परिवार द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले मुख्य अनाज से संबंधित जानकारी भी ली जायेगी।अधिसूचना के अनुसार जनगणना अधिकारी स्थानीय क्षेत्र में घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। इसके लिए मकान सूचीकरण और मकानों की गणना अनुसूचियों का उपयोग किया जायेगा।मोबाइल नंबर भी लिया जायेगा, लेकिन इसका उपयोग केवल जनगणना संबंधी सूचना के लिए किया जायेगा।इन आंकड़ों के आधार पर भविष्य की योजनाओं, शहरी विकास, आधारभूत संरचना, आवास, पेयजल, स्वच्छता और डिजिटल सुविधाओं से संबंधित नीतियां बनाने में मदद मिलेगी।जनगणना में पूछे जायेंगे ये प्रमुख सवाल परिवार में कितने सदस्य हैं।

परिवहन विभाग में मोटरयान निरीक्षकों के 21 नये पद सृजित,बढ़ते वाहनों और राजस्व संग्रह के दबाव को देखते हुये सरकार का फैसला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड सरकार ने परिवहन विभाग के अंतर्गत मोटरयान निरीक्षक यानी एमवीआई के 21 अतिरिक्त पदों के सृजन को मंजूरी दे दी है।इस संबंध में परिवहन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।नये पद सृजित होने के बाद राज्य में मोटरयान निरीक्षकों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या 49 से बढ़कर 70 हो जायेगी।नये पदों में सबसे अधिक लाभ रांची, हजारीबाग और पूर्वी सिंहभूम को मिला है।इन जिलों में दो-दो अतिरिक्त पद स्वीकृत किये गये हैं।वहीं पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा और पाकुड़ में भी दो-दो अतिरिक्त पद दिये गये हैं. धनबाद, गुमला, लोहरदगा, कोडरमा, चतरा, साहेबगंज, लातेहार, सिमडेगा और जामताड़ा समेत कई जिलों में एक-एक नया पद सृजित किया गया है।सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन पदों पर होने वाला खर्च परिवहन विभाग के बजट से वहन किया जायेगा।सरकार ने यह फैसला राज्य में लगातार बढ़ रहे वाहनों, फिटनेस जांच, ड्राइविंग टेस्ट, राजस्व संग्रह और सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों के बढ़ते दबाव को देखते हुए लिया है। अधिसूचना में कहा गया है कि 24 जिलों में पहले से मोटरयान निरीक्षकों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण अतिरिक्त पदों की जरूरत महसूस की जा रही थी।परिवहन विभाग के अनुसार मोटरयान निरीक्षक वाहन फिटनेस जांच, दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के निरीक्षण, ड्राइविंग लाइसेंस के लिए चालक की दक्षता जांच, प्रदूषण नियंत्रण और मोटर वाहन कर संग्रह जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।इसके अलावा सड़क सुरक्षा जागरूकता और आपदा की स्थिति में वाहनों के अधिग्रहण से जुड़े कार्य भी इनके जिम्मे होते हैं।

पांच ट्रेनी आइएएस ने किया नामकुम लैम्प्स का निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भारतीय प्रशासनिक सेवा के पांच प्रशिक्षु अधिकारियों ने नामकुम लैम्प्स का निरीक्षण किया।भ्रमण करने वालों में आस्था शरण, इरा जोरावल, पूर्वा अग्रवाल, यश कुमार, अवनीश कुमार सिंह थे।इनके अतिरिक्त प्रशिक्षु सहायक निबंधक सहयोग समितियों ने भी भ्रमण किया। इसमें आकाश शुभ्रम, अभिषेक आनंद, मयंक कलोटिया, राजीव रंजन, उज्वल प्रताप सिंह, सुनील मुर्मू, आशीष टुडू , सरिता बारला थे। अधिकारियों का स्वागत सचिव सिद्धकॉफेड सह प्राचार्य सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र राकेश कुमार सिंह, लैंपस अध्यक्ष आरती कुजूर, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी नीरज कुमार ने किया।राकेश कुमार सिंह ने सहकारिता विभाग के विभिन्न योजनाओं तथा सहकारी फेडरेशन की जानकारी दी। सिद्धकोफेड, झास्कोलैम्प, झास्कोफिस, वेजफेड, पोल्ट्री फेडरेशन, मिल्क फेडरेशन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। नामकुम लैम्प्स में चल रहे कार्यों यथा जमा वृद्धि, खाद, बीज, प्रज्ञा केंद्र, धान अधिप्राप्ति, रागी अधिप्राप्ति, केसीसी ऋण वितरण, सूद छूट योजना के साथ साथ वृद्धा, विधवा पेंशन, अबुआ आवास योजना, मंईया सम्मान योजना के बारे में जानकारी दी।

नोवामुंडी के जोजो कैम्प में ग्रामीणों ने हिरण के बच्चे की बचाई जान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नोवामुंडी प्रखण्ड के जोजो कैम्प क्षेत्र में मानवता और वन्य जीव संरक्षण की अनोखी मिसाल देखने को मिली। जानकारी के अनुसार हिरण का एक बच्चा अपने झुंड से बिछड़कर पीने के पानी की तलाश में जंगल से भटकते हुए जोजो कैम्प क्षेत्र तक पहुंच गया था। इसी दौरान 7-8 आवारा कुत्तों ने उस पर अचानक हमला कर दिया।कुत्तों के झुंड के बीच फंसा हिरण का बच्चा बुरी तरह घायल और सहमा हुआ था, जिससे उसकी जान पर गंभीर खतरा मंडराने लगा।घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता बापि करुवा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीण देवदूत बनकर एकजुट हुए और साहस का परिचय देते हुए हिरण के बच्चे को कुत्तों के चंगुल से सुरक्षित बाहर निकाला।

जालंधर में बंधक बने खूंटी के बंधुआ मजदूर कराए गए मुक्त

पुलिस प्रशासन व समाजसेवियों की पहल से वापस लौटा सनिका पूर्ति और उसका परिवार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : पंजाब के जलंधर में पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से बंधुआ मजदूर बनाकर रखा गया था।खूंटी जिला के अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत बीरबांकी के ईचाकुटी टोला निवासी सनिका पूर्ति एवं उसका परिवार। खूंटी पुलिस प्रशासन और समाजसेवी लक्ष्मी बाखला के संयुक्त प्रयास से बंधुआ मजदूर एवं उसके परिवार को सकुशल घर वापस लाया गया। इस रेस्क्यू अभियान में खूंटी महिला थाना प्रभारी फुलमनी टोप्पो एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।प्राप्त जानकारी के अनुसार सनिका पूर्ति को जालंधर में बंधक बनाकर मजदूरी कराई जा रही थी। पीड़ित मजदूर सनिका पूर्ति ने बताया कि जब भी वह अपने गांव लौटने की बात करता, उसके साथ मारपीट की जाती थी। एक वर्ष पूर्व उनके छोटे बच्चे की मृत्यु के बाद भी जब उन्होंने घर आने का प्रयास किया, तब भी उन्हें गाली-गलौज कर जबरन रोक दिया

गया।इसी बीच खूंटी से जुड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चलाई गई खबर के माध्यम से पीड़ित ने संपर्क किया और अपनी आपबीती साझा की। सूचना मिलते ही समाजसेवी लक्ष्मी बाखला ने तत्परता दिखाते हुए खूंटी के पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया।महिला थाना प्रभारी फुलमनी टोप्पो ने बताया कि सबसे पहले पीड़ित के गांव जाकर मामले की पुष्टि की गई। इसके बाद खूंटी पुलिस ने जालंधर स्थित एक एनजीओ से संपर्क स्थापित कर समन्वय बनाया। एनजीओ की मदद से वहां फंसे मजदूरों को सुरक्षित रांची भेजा गया।रांची रेलवे स्टेशन पर खूंटी पुलिस की टीम उन्हें रिसीव कर खूंटी थाना लाया, जहां आवश्यक पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को उनके घर भेज दिया गया।इस सफल अभियान में जालंधर के एनजीओ की भूमिका भी सराहनीय रही। उल्लेखनीय है कि खूंटी जिला से पलायन और बंधुआ मजदूरी के मामले समय-समय पर सामने आते रहे हैं, जिस पर प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। खूंटी पुलिस प्रशासन द्वारा बंधुआ मजदूर को सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुआवजे की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। जिससे सनिका पूर्ति खूंटी से बाहर जाकर मजदूरी न करे।

जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर, सरायकेला में 13 को होगा रोजगार मेला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 मई बुधवार को पूर्वाह्न 10 बजे से जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर, सरायकेला में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।इस संबंध में जिला नियोजन पदाधिकारी आलोक कुमार तोपनो ने बताया कि रोजगार मेले में अमलगम स्टील एंड पावर लिमिटेड, रामकृष्ण कास्टिंग सॉल्यूशन लिमिटेड, बीएन ट्रैक्टर्स, छवि कंस्ट्रक्शन, यूनाइटेड एयर एक्सप्रेस, फ्यूजन फाइनेंस लिमिटिड, यूनिक सॉल्यूशन, संजीव रमन सिक्योरिटी, युवा शक्ति फाउंडेशन एवं टैलेंटनेक्शा सर्विसेज सहित जिले की प्रमुख एवं प्रतिष्ठित नियोक्ता कंपनियाँ भाग लेंगी।रोजगार मेले के माध्यम से क्वालिटी इंस्पेक्टर, एपीडी इंजीनियर, सेफ्टी सुपरवाइजर, फर्नेस ऑपरेटर, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, लैब असिस्टेंट, फोरमैन, फिटर, एचएमसी/वीएमसी ऑपरेटर, मेंटेनेंस इंजीनियर, क्वालिटी इंजीनियर, सेल्समैन, टेलीकॉलर, ऑटोमोबाइल मैकेनिक, मोबिलाइजर, कोऑर्डिनेटर, ट्रेनी, स्टोर कीपर, सिक्योरिटी गार्ड एवं ड्राइवर सहित कुल 1000 से अधिक पदों पर सरायकेलाझ्खरसावां एवं जमशेदपुर में नियुक्ति हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।चयनित अभ्यर्थियों को संबंधित कंपनियों द्वारा 15,000 से 45,000 प्रतिमाह तक का वेतन प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों को अन्य सुविधाएं भी मिलेगी।

डैम में मछली पकड़ने के दौरान युवक की डूब कर मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत विश्रामपुर गांव स्थित झुमेलवा डैम में मछली पकड़ने गये एक युवक की डैम में डूबकर मौत हो गयी।घटना की सूचना पर रंका थाना पुलिस एनडीआरएफ टीम की मदद से शव को ढूंढने का प्रयास में जुटी। रविवार को करीब दिनभर काफी मेहनत के बाद शव को ढूढ़ने में सफलता मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शनिवार को अपराह्न में विश्रामपुर के झुमेलवा टोला निवासी एक युवक अपने एक दोस्त के साथ गांव में स्थित डैम में मछली पकड़ने गया था। मछली पकड़ने के दौरान उसका जाल डैम में किसी तरह फंस गया। इसके बाद वह जाल को छुड़ाने के लिये डैम की गहराई में उतरा।

दो वाहनों की टक्कर में तीन की मौत,बारह घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिला अंतर्गत नगरउंटारी-भवनाथपुर मार्ग पर रविवार की दोपहर दहेड़िया गांव के पास एक टेंपो और मैजिक वाहन के बीच हुई भीषण टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन लोग घायल हो गए।सभी घायलों को इलाज के लिए नगरउंटारी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। बताया गया की एक टेंपो से केतार थाना के छाताकुंड गांव से लोग विकास उरांव की शादी हेतु एक छेका के लिए नगरउंटारी थाना के कुंबा गांव में जा रहे थे। वहाँ बालरूप उरांव की पुत्री का छेका करना था। जब वे लोग दहेड़िया गांव के पास से गुजर रहे थे,विपरीत दिशा से एक तेज रफ्तार मैजिक से टेंपो की टक्कर हो गई।टक्कर इतना जोरदार था की दोनों गाड़ियों के परखचे उड़ गए।इस दुर्घटना में छेका के लिए जा रहे टेंपो में सवार तीन लोगों की मौत हो गई और दोनों वाहनों को मिलाकर एक दर्जन लोग घायल हो गए।मृतकों में एक बंशीधरनगर के तथा दो छाताकुंड के रहने वाले थे। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेजा है।जबकि सभी घायलों को नगर-उंटारी अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

शादी समारोह में गये पूर्व माओवादी की हत्या, साक्ष्य मिटाने के लिए पेट्रोल छिडकर कर शव जलाने का प्रयास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले के पांडू थाना क्षेत्र के बेलहरा-लोमड़ीडीह मार्ग पर शनिवार सुबह बरामद अज्ञात शव की शिनाख्त हो गयी है। मृतक छतरपुर थाना क्षेत्र के कव्वल पंचायत स्थित जंघबल गांव के सुखी यादव के पुत्र जगनारायण यादव उर्फ विशाल यादव के रूप में पहचान की गयी है। परिजनों ने रविवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचकर शव की पहचान की।परिजनों ने बताया कि जगनारायण यादव सात मई को पांडू के कुलिया गांव में गोतिया अयोध्या यादव के घर एक शादी समारोह में शामिल होने गया था।इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा. परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीर को देखकर परिजन अस्पताल पहुंचे और उसकी शिनाख्त की। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अपराधियों ने जगनारायण की पत्थर से कूचकर बेरहमी से हत्या की है।पहचान छिपाने की नीयत से शव पर पेट्रोल छिड़ककर उसे जलाने का प्रयास भी किया गया था।रविवार को अस्पताल पुलिस चौकी की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी है।पुलिस जांच में यह बात सामने आयी है कि जगनारायण यादव उर्फ विशाल यादव का माओवादी संगठन से गहरा रिश्ता रहा था।वह संगठन में विशाल जी के नाम से जाना जाता था और सक्रिय नेता रह चुका था।उसके खिलाफ छतरपुर थाना में मामला दर्ज हैं. वह हाल ही में जेल से छूटकर बाहर आया था।

केरेडारी पुलिस ने एक नाबालिग पीड़िता को किया बरामद,आरोपी को भेजा जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : केरेडारी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।पुलिस की विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग पीड़िता को सकुशल बरामद किया है।साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।ज्ञात हो कि केरेडारी थाना क्षेत्र के कुठान गांव निवासी एक व्यक्ति ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उनकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को शादी की नियत से बहला-फुसलाकर भगा लिया गया है,एवं पीड़िता की शादी आगामी 12 मई को तय थी और घर में विवाह की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं।इसी दौरान आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया था।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हजारीबाग एसपी के आदेशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।इस टीम में थाना प्रभारी एवं कांड के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक अनूप कुमार समेंत अन्य पुलिस बल के जवान शामिल थे।टीम ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित छापेमारी करते हुए दिनांक 9 मई 2026 को काण्ड

संख्या 54/26 के नामजद अभियुक्त रितेश कुमार उम्र 22 वर्ष पिता-गणेश महतो, ग्राम- कुठान को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, पुलिस टीम ने अपहृत नाबालिग पीड़िता को भी सकुशल बरामद कर लिया है।

उक्त मामले पर प्रेस ब्यान जारी कर बताया कि पुलिस अधीक्षक के स्पष्ट निर्देश हैं कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की जाए। इसी कड़ी में एसआई अनूप कुमार और टीम के सदस्यों ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को दबोचा और पीड़िता को बरामद किया।

तत्पश्चात पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण और न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर गिरफ्तार अभियुक्त रितेश कुमार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।मामले में अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

डालसा कर्मियों व पीएलवी ने किया रक्तदान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : नब्बे दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्राधिकार के कर्मचारियों एवं पारालीगल वालंटियर्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए समाज को प्रेरित करना था। इस अवसर पर अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है।

शिविर के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नियमित रक्तदान के महत्व एवं इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। न्यायाधीश ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा नब्बे दिवसीय अभियान के अंतर्गत जिले में लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आम लोगों तक विधिक सेवाओं एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े संदेश पहुंचाए जा सकें।

जागरूकता ही साइबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी उपाय : न्यायाधीश

साइबर फ्रॉड के प्रति लोगों को किया जागरूक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः नब्बे दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा साइबर फ्रॉड से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ता सुमन पाठक, शैलेंद्र झा, नीरज गोयल के नेतृत्व में अधिकार मित्र निमाई प्रमाणिक अबुल कलाम, नेहा वर्मा, सीता कुमारी निताई कुंभकार सुबीर कुमार। पूजा झा ,सुभाष चंद्र महतो, जयप्रकाश महतो ,उत्तम कुमार मंडल, सविता कुमारी ,विक्रम मोदी, लक्ष्मी कुमारी ,निर्मल मंडल, वीरेंद्र कुमार महतो, संध्या देवी, डिपैंती गुप्ता द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आम लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी शेयरिंग, बैंक फ्रॉड तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनों ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, एटीएम, ओटीपी अथवा पासवर्ड संबंधी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साथ ही साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को डिजिटल लेनदेन करते समय सतर्क रहने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा गया कि जागरूकता ही साइबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रभात प्रताप शाखा का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : रेलवे इन्स्टीट्यूट कतरास में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रभात प्रताप शाखा की ओर से शिविर लगा। आयोजन बड़े उत्साह एवं अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों एवं बच्चों ने भाग लिया। शाखा में उपस्थित बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के खेल, प्रेरणादायक गीत तथा शारीरिक व्यायाम कराये गये। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक एवं नैतिक विकास को बढ़ावा देना था। शाखा में खेलों के माध्यम से बच्चों में टीम भावना, अनुशासन एवं आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया गया. वहीं गीत एवं बौद्धिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, संस्कार एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया. स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ शाखा की गतिविधियों में सहभागिता निभाई। पंकज सिंह ने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शाखा केवल व्यायाम का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की एक सशक्त प्रक्रिया है, जहां बच्चों में राष्ट्रसेवा, अनुशासन एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने नियमित शाखा में उपस्थित रहने का आह्वान किया। मौके पर सुनील, सुदर्शन तिवारी, धर्मेंद्र संगी, नवीन गुप्ता, संजय जायसवाल, आदित्य गुप्ता, सागर कुमार, राम अवतार विश्वकर्मा सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। सभी स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई. अधिकतम दिवस के सफल आयोजन से शाखा के स्वयंसेवकों एवं स्थानीय लोगों में उत्साह का वातावरण देखा गया। कार्यक्रम के अंत में संघ गीत एवं शाखा प्रार्थना के साथ आयोजन का समापन हुआ।

चार वर्ष के बच्चे को छोड़ महिला फरार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद :खुशबू मुहल्ला छाताबांध में अज्ञात महिला ने एक लड़के (उम्र लगभग 4 वर्ष) को छोड़कर चली गई है। लड़का अपना नाम लल्ला बता रहा है, परंतु वह अपने पिता का नाम और पता नही बता पा रहा है। लड़के को सुरक्षार्थ बाल मित्र कक्ष कतरास थाना में रखा गया है। किसी भी व्यक्ति को इस लड़के के बारे में कोई जानकारी होने पर आप थाना को सूचित कर सकते है ताकि लड़के को उसके माता पिता से मिलाया जा सके। आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

विधायक राज सिन्हा का 24 घंटे का अनशन खत्म

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भू - धंसान प्रभावित धनबाद- बोकारो सड़क को फिर से चालू करने की मांग के समर्थन में विधायक राज सिन्हा का अनशन रविवार को स्थगित हो गया। उपायुक्त और बीसीसीएल के जीएम के आश्वासन के बाद राज सिन्हा ने आंदोलन स्थगित कर दिया। विधायक ने शनिवार से अनशन शुरू किया था। उनके साथ बड़ी संख्या में व्यापारी और कारोबारी भी आंदोलन कर रहे थे। मालूम हो कि केंदुआडीह थाना मोड़, राजपूत बस्ती के समीप गैस रिसाव एवं भू- धंसान की घटना के बाद 27 दिनों से धनबादझबोकारो मुख्य सड़क को जिला प्रशासन एवं बीसीसीएल द्वारा बंद कर छोड़ दिया गया है इसका विरोध किया जा रहा है। अनशन के दौरान धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने विधायक राज सिन्हा से दूरभाष पर वार्ता करते हुए सोमवार को तकनीकी रिपोर्ट एवं खतरे का आकलन कर उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। वहीं बीसीसीएल के महाप्रबंधक ने भी अनशन स्थल पर पहुंचकर विधायक से वार्ता की। इसके उपरांत रविवार को 24 घंटे पूर्ण होने पर चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों ने विधायक राज सिन्हा को नारियल पानी पिलाकर अनशन समाप्त कराया। इस आंदोलन को क्षेत्र के आमलोगों, व्यापारियों, मजदूरों, महिलाओं तथा भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। अनशन स्थल पर लगातार लोगों की उपस्थिति बनी रही और सभी ने सड़क को अविलंब चालू करने एवं प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास की मांग को मजबूती से उठाया। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि, यह आंदोलन क्षेत्र की जनता, व्यापारियों और मजदूरों की आवाज है। 27 दिनों से मुख्य सड़क बंद रहने के कारण आमजन का जीवन प्रभावित हुआ है। हमारी मांग है कि तकनीकी जांच के आधार पर शीघ्र सड़क चालू किया जाए तथा प्रभावित परिवारों का सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। चैंबर के जिला महासचिव अजय नारायण लाल एवं उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि, समस्या समाधान की पूरी जिम्मेदारी जेआरडीए की है। और जेआरडीए के मुख्य पदाधिकारी धनबाद उपायुक्त ही होते है। चैंबर ऑफ कॉमर्स के सुरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि धनबादझ बोकारो मुख्य सड़क बंद रहने से व्यापार पूरी तरह प्रभावित हुआ है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि राज सिन्हा ने हमेशा जनता की आवाज को प्रमुखता दी है। यह आंदोलन पूरी तरह जनहित में है। प्रशासन एवं बीसीसीएल को संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष रंजय सिंह एवं तमाल राय ने किया। इस अवसर पे मुख्य रूप से सुरेंद्र अरोड़ा, लोकेश अग्रवाल, मुखिया रमेश सिंह, बद्री रविदास,महेंद्र वर्णवाल, ददन सिंह, पंकज भुवानियां, मोनू पाठक, जाहिद अंसारी,हुल्लास दास, जिला मंत्री रीता यादव, मौसम सिंह, सदानंद वर्णवाल, राजेश गुप्ता, रामकेश गुप्ता, मेघनाथ वर्मा, रंजीत मधेशिया, आनंद खंडेलवाल, श्यामल दा, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, केदार वर्णवाल, रवि सिन्हा, बालमुकुंद राम, सुप्रभात कुमार, घनश्याम नरौली, शशि सिंह, गीता सिंह, किरण सिंह, विभा रानी सिंह, आशा पांडे, नरेंद्र त्रिवेदी, मुर्तजा अंसारी, साजन पासवान, रूपेश खंडेलवाल, हीरा शर्मा, संजय सौंदिक, सुप्रभात सिन्हा, उमेश सिंह, अरविंद सिंह, अजय दुबे, बबलू फरीदी, अमित सिंह, सत्येंद्र ओझा, बबलू सिंह, सतीश रजक, सपन कश्यप सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी से मिली झरिया विधायक रागिनी सिंह

केंदुआ भू-धंसान के प्रभावितों को विस्थापन व धनबाद- बोकारो मुख्य मार्ग को दुरुस्त कर जल्द चालू कराने की मांग की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झरिया विधायक रागिनी सिंह ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर झरिया विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कई गंभीर एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।इस दौरान विधायक रागिनी सिंह ने केंदुआ क्षेत्र में हुए भू-धंसान एवं गैस रिसाव से प्रभावित लोगों की स्थिति, खनन प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे ग्रामीणों के विस्थापन, कतरास के सोनारडीह क्षेत्र में हुए भू-धंसान तथा बंद पड़े धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को जल्द दुरुस्त कर पुनः चालू कराने के मुद्दे पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि केंदुआ क्षेत्र में भू-धंसान और गैस रिसाव की घटनाओं के कारण स्थानीय लोगों के सामने गंभीर सुरक्षा संकट उत्पन्न हो गया है। कई परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। वहीं धनबाद- बोकारो मुख्य मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से आम लोगों, स्कूली बच्चों, मरीजों एवं रोजाना आवागमन करने वाले हजारों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।श्रीमती सिंह ने कोयला मंत्री से मांग किया कि प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र सर्वे कराया जाए तथा भू-धंसान एवं गैस रिसाव से प्रभावित परिवारों के सुरक्षित विस्थापन, समुचित पुनर्वास, वैकल्पिक आवास एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था जल्द सुनिश्चित की जाए। इस पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सभी विषयों को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।

सेलपिकर मजदूरों की हड़ताल जारी, वार्ता विफल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बाघमारा। ब्लॉक-दो एबीओसीपी के बेनीडीह मेन साइडिंग के सेलपिकर मजदूरों की बेमियादी हड़ताल रविवार को चौथे दिन भी जारी रही। मजदूर तीन महीना से बकाया वेतन की मांग को लेकर अड़े हुए हैं। प्रबंधन द्वारा मांगों को गंभीरता से नहीं लेने पर मजदूरों ने प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। देर शाम मामले को सुलझाने के लिए जीएम कुमार रंजीव, बाघमारा थाना प्रभारी अजीत कुमार के अलावा सीआइएसएफ के अधिकारी भी मजदूरों के बीच पहुंचे और वार्ता की। घंटों भर चले हो हंगामा के बीच मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर वार्ता विफल हो गई। हड़ताल के कारण चार दिन से रैक लोडिंग एवं कोयले का ट्रांसपोर्टिंग पूरी तरह से बाधित है। बेनीडीह मेन साईडिंग के नेतृत्व कर रहे देवानंद चौहान का कहना है कि ट्रांसपोर्ट कंपनी एचपीसी वेतनमान की जगह मनमाने ढ़ंग वेतन दे रही है। मजदूरों का तीन माह का वेतन बकाया है। जीएम मजदूरों को वेतन दिलाने के बजाय काम से हटा देने की चेतावनी दे रहे हैं। मौके पर देवानन्द चौहान, कन्हाई गोप, सहदेव मोहली, हीरालाल स्वानी, राजेश कुम्हार, राज कुमार नोनिया, राजू कुम्हार, सतेन्द्र कुमार नोनिया, बादल राजवार, बालमुकुंद प्रसाद सिंह, जीवन लाल नोनिया, अर्जुन मोहली, शंकर कुम्हार, वरुण कुम्हार, रामदास कुम्हार, अर्जुन यादव , सुबोध गोप, मनोज चौहान, राजू रंजन चक्रवती, दारा रवानी, भजन रवानी, पिंकी देवी, फूलमती देवी, उर्मिला देवी, कलावती देवी, शांति देवी, सुमित्रा देवी आदि मौजूद थे।

विद्या-वैभव सम्मान समारोह में प्रतिभावान छात्र-छात्राएं सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बाघमारा की सामाजिक संस्था सम्पूर्ण जनजागृति ऑर्गेनाईजेशन, डुमरा की ओर से रविवार को डुमरा सामुदायिक भवन में 'विद्या-वैभव सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के उन छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करना था, जिन्होंने हाल ही में घोषित मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि बाघमारा के अंचलाधिकारी गिरजानंद किस्कू के द्वारा विभिन्न विद्यालयों के 90 छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक सफलता के लिए पुरस्कृत किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने सफल विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अंचलाधिकारी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर अंक लाना उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है।संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें आगे बढ़ने की नई दिशा मिलती है। संस्था के संस्थापक प्रेम कुमार ने कहा कि शिक्षा ही समाज में बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। सम्पूर्ण जनजागृति ऑर्गेनाईजेशन का लक्ष्य न केवल मेधावी बच्चों को सम्मानित करना है, बल्कि अन्य युवाओं को भी शिक्षा के प्रति जागरूक और प्रेरित करना है। इस सम्मान समारोह में विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। अपने बच्चों को सम्मानित होते देख अभिभावकों के चेहरे पर गर्व साफ झलक रहा था। संचालन गोपाल सिंह ने किया। मौके पर डॉ मुकेश कुमार राय, मदन मोहन प्रसाद, मदन प्रसाद महतो, दिपक प्रसाद, मुखिया आनंद महतो, अमरेन्द्र कुमार, एके सिंह, प्रेम कुमार, रमेश महतो, दिनेश कुमार, शंकर महतो, सुमित कुमार, सरस्वती देवी, नीलम वर्णवाल, गुलफशा खातून, आशा देवी, अनमोल रवानी, जगत महतो आदि मौजूद थे।

एसएनएमएमसीएच प्रबंधन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, युवा आजसू ने आंदोलन की चेतावनी दी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल प्रबंधन और आउटसोर्सिंग कंपनी पर भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाते हुए युवा आजसू ने आंदोलन की चेतावनी दी है। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में युवा आजसू नेता हीरालाल महतो ने कहा कि अस्पताल में वर्ष 2019 से बिना निविदा प्रक्रिया के एक ही आउटसोर्सिंग कंपनी को लगातार काम दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि साफ-सफाई समेत कई सेवाओं का जिम्मा भी उसी कंपनी को सौंपा गया है, जबकि संबंधित कंपनी को ब्लैकलिस्टेड बताया जा चुका है।उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन में कटौती कर आधा भुगतान किया जा रहा है और समय पर वेतन भी नहीं दिया जाता। इसके अलावा अधीक्षक पर अपने करीबी लोगों को घर बैठे वेतन देने तथा सरकारी क्वार्टरों पर कब्जा कर अवैध वसूली कराने का आरोप लगाया गया।युवा आजसू ने आयुष्मान योजना में गड़बड़ी, मरीजों को दवा का बिल नहीं देने, ओपीडी में वरिष्ठ डॉक्टरों की अनुपस्थिति और कर्मचारियों के दो जगह कार्य करने जैसे मुद्दे भी उठाए। संगठन ने मांग की कि एसएनएमएमसीएच सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में होने वाली 131 नियुक्तियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाए।संगठन ने चेतावनी दी कि 18 मई तक मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर 20 मई को पुतला दहन, 22 मई को कैंडल मार्च और 25 मई को अस्पताल परिसर में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

तेतुलमुडी बस्ती पहुंची सर्वे टीम, डेंजर जोन घोषित इलाके में 30 दिनों तक होगा सर्वे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के तेतुलमुडी बस्ती को बीसीसीएल द्वारा डेंजर जोन घोषित किए जाने के बाद प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। आग और भू-धंसान के बढ़ते खतरे को देखते हुए गुरुवार को सर्वे टीम इलाके में पहुंची और रैयत भूमि समेत स्थानीय लोगों का विवरण जुटाना शुरू किया। यह सर्वे आगामी 30 दिनों तक चलेगा।धनबाद के सिजुआ क्षेत्र स्थित तेतुलमुडी बस्ती में गुरुवार को प्रशासन और संबंधित विभाग की सर्वे टीम पहुंची। टीम ने इलाके में रह रहे रैयतों की जमीन से जुड़ी जानकारी एकत्र की और स्थानीय लोगों की तस्वीरें भी लीं। बताया जा रहा है कि यह सर्वे बस्ती के लोगों के पुनर्वास और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।गौरतलब है कि बीसीसीएल ने तेतुलमुडी बस्ती को डेंजर जोन घोषित किया है। इलाके में लगातार आग निकलने और भू-धंसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। हाल के दिनों में इन हादसों में कई लोगों की जान भी जा चुकी है, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।स्थानीय लोगों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं, लेकिन अब जमीन के नीचे बढ़ते खतरे के कारण भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।वहीं सर्वे अधिकारी ने बताया कि यह सर्वे कार्य करीब 30 दिनों तक चलेगा। रैयत भूमि और यहां रह रहे लोगों का पूरा डाटा तैयार किया जा रहा है, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

11-05-2026 T.P. Page 4_Layout 1 11-05-2026 06:14 Page 1

अब तक हो चुकी है सामान्य से 300 फीसदी अधिक बारिश
21 मई तक सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : क्लाइमेट चेंज का असर झारखंड में इस वर्ष भी दिख रहा है।बीते साल भी अप्रैल और मई माह में भी रुक-रुक कर बारिश होती रही थी। अधिकतम तापमान 35 डिग्री के आसपास भी रहा था. इस वर्ष भी मौसम कुछ वैसा ही है। मौसम का पूवार्नुमान भी है कि 21 मई तक अधिकतम तापमान 29 से 40 डिग्री सेसि के बीच रह सकता है।गर्मी से लोगों को राहत मिल सकती है। इस दौरान सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान है। दूसरी ओर ग्रामीण परेशान है. खेतों में लगे फसलों को नुकसान हो रहा है।ओलावृष्टि, तेज आंधी-तूफान, बारिश से गरमा फसल को नुकसान हो रहा है।फल और सब्जियों की खेती प्रभावित हो रही है।गर्मी नहीं होने के कारण फलों की मांग भी उम्मीद के अनुरूप नहीं है।किसान मौसम पूवार्नुमान को लेकर डरे हुए हैं।भारत मौसम विज्ञान विभाग ने झारखंड के लिए अगले दो सप्ताह (21 मई तक का) का विस्तृत मौसम पूवार्नुमान जारी किया है।पिछले सप्ताह राज्य में हुई भारी बारिश के बाद अब मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं।एक से सात मई तक सामान्य से 276% अधिक बारिश हुई।इस दौरान राज्य में औसत वर्षा 29.6 मिमी रही, जो सामान्य (7.9 मिमी) से 276% अधिक है। बारिश के कारण अधिकतम तापमान 28 से 40 डिग्री सेसि के बीच रहा, जो सामान्य से कम है। 14 मई राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जना के साथ हल्की बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। इस दौरान सप्ताह भर की कुल बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान है।अधिकतम तापमान 30 से 39 डिग्री सेसि के बीच रहने का अनुमान है। 15 से 21 मई में मौसम फिर करवट लेगा और राज्य में सामान्य से बहुत अधिक बारिश होने की प्रबल संभावना है।तापमान 29 से 40 डिग्रई सेसि के बीच रह सकता है।राजधानी के कुछ हिस्सों

में पिछले 24 घंटे में करीब 46 मिमी बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार रांची में यह बारिश सुबह 8.30 बजे से लेकर शाम 5.30 बजे तक हुई. सबसे अधिक बारिश धुर्वा, हिनू आदि इलाके में हुई। इस दौरान ओला भी पड़ा। बारिश के कारण राजधानी सहित राज्य के करीब-करीब सभी जिलों का अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। रविवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेसि के आसपास रहा।न्यूनतम तापमान 16 डिग्रई सेसि के आसपास रहा।यह सामान्य से करीब छह डिग्री सेसि कम था। राज्य के अन्य जिलों की स्थिति भी कुछ इसी तरह की स्थिति अन्य जिलों की भी है।कांके स्थित पारचुट्टू गांव के किसान राहुल उरांव फल और सब्जी की खेती कर रहे हैं।तरबूज, खरबूज, खीरा, आम, केला आदि की खेती कर रहे हैं।पिछले कई दिनों से मौसम की मार झेल रहे हैं।बारिश और तेज हवा से फसलों को नुकसान हो रहा है।आम का फल गिर जा रहा है। जमीन में पानी रहने के कारण तरबूज और खरबूज की फसल को नुकसान हो रहा है। मौसम पूवार्नुमान को लेकर चिंतित हैं. कहना है कि ऐसा ही मौसम रहा, तो फसल को नुकसान होगा।बाजार की भी दिक्कत होगी। 24 मई को बाद रोहिणी नक्षत्र लगता है।इस समय पर गर्मी रहती है। यह रबी के मौसम का समय है।इस समय तक गरमा सब्जी, फल खेतों में रहता है।जितनी गर्मी पड़ती है, उतनी ही अच्छी फसल होती है। इस बार बारिश हो रही है।इससे गरमा फल और सब्जी को नुकसान हो रहा है।बीच-बीच में समय पूर्व ओला पड़ रहा है।ऐसा आम तौर पर मानसून पूर्व होता था।इस बार पहले ही दिख रहा है।

संक्षिप्त खबरें

संजीव यादव मौत मामले में कार जब्त, झामुमो नेता आफताब अंसारी निकला चालक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : रंका थाना क्षेत्र के हुरदाग गांव स्थित विद्युत पावर हाउस के समीप पिछले दिनों हुई सड़क दुर्घटना में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घटना के बाद से फरार चल रही कार को जब्त कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज और नंबर प्लेट के आधार पर वाहन की पहचान कर यह कार्रवाई की गई है।पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि दुर्घटना करने वाली कार रंका थाना मोड़ निवासी आफताब अंसारी की है। आफताब अंसारी वर्तमान में अंसारी समाज के प्रदेश अध्यक्ष होने के साथ-साथ झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भी हैं।पुलिस के अनुसार, घटना के समय कार स्वयं आफताब अंसारी ही चला रहे थे।गौरतलब है कि बीते गुरुवार की देर शाम ऊंचरी गांव निवासी संजीव यादव (42 वर्ष) अपनी बहन के घर अमिलो में घोटा की रस्म अदा कर बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे।इसी दौरान हुरदाग पावर हाउस मोड़ के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी थी।टक्कर इतनी भीषण थी कि संजीव यादव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के बाद चालक कार समेत मौके से फरार होने में सफल रहा था।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिससे कार के नंबर और उसके मालिक की पहचान सुनिश्चित हुई।रंका पुलिस ने बताया कि पहचान होते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन को कब्जे में ले लिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

जेईई मेंस परीक्षा गड़बड़ी मामले के दो आरोपी फिर भेजे गए जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय में आयोजित जेईई मेंस परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी मामले के आरोपी राजेश ठाकुर एवं रविशंकर को पुलिस ने 48 घंटे के रिमांड पर लेकर पूछताछ की। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद रविवार को दोनों को पुनः न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।जानकारी के अनुसार राजेश ठाकुर ने 28 अप्रैल को तथा रविशंकर ने चार मई को न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। पूछताछ के दौरान पुलिस ने परीक्षा केंद्र में मॉनिटर बदलने एवं कंप्यूटर सिस्टम में गड़बड़ी से संबंधित जानकारी जुटाई।मामले में पहले ही दिनेश कुमार महतो, सूरज कुमार सिंह एवं साकिर अंसारी की गिरफ्तारी हो चुकी है।रामगढ़ थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता:मेयर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से हो रही दूषित जलापूर्ति की जनशिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर अरुणा शंकर ने स्थानीय पंपू कल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल शोधन प्रणाली (फिल्टरेशन प्लांट) और सप्लाई पाइपलाइनों की बारीकी से जांच की।मौके पर मौजूद अधिकारियों और तकनीकी टीम के साथ समीक्षा के बाद महापौर ने स्पष्ट किया कि बेमौसम बारिश से कोयल नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण पानी मटमैला हो गया है। इस वजह से नदी का गंदा पानी पंपू कल की टंकी में प्रवेश कर गया था, जिसे पूरी तरह साफ करने में तीन से चार दिन का समय लग सकता है।उन्होंने बताया कि मरम्मत और सफाई का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। उम्मीद है कि एक-दो दिनों में स्थिति में सुधार होगा और जल्द ही गुणवत्तापूर्ण पानी की सप्लाई बहाल कर दी जायेगी।निरीक्षण के दौरान महापौर ने पंपू कल के संचालन में आ रही तकनीकी बाधाओं और फिल्टरेशन प्रक्रिया की व्यावहारिक कठिनाइयों को भी जानकारी ली।उन्होंने कनीय अभियंताओं को निर्देशित किया कि मशीनरी की खराबी को अविलंब दुरुस्त करें।महापौर ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।उन्होंने विभाग को नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव और जल भंडारण टैंकों की समय-समय पर सफाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिये ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो उन्होंने भरोसा दिलाया कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

यदुवंशी महासम्मेलन में सामाजिक-राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान, 18 दिसंबर को होगा राष्ट्रीय महासम्मेलन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : यदुवंशी महासम्मेलन का आयोजन रविवार को धुर्वा स्थित पुराना विधानसभा हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व श्रीकृष्ण विकास परिषद यादव समाज के मुख्य संरक्षक एवं राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने किया।सम्मेलन में राज्य के 24 जिलों से आये यादव समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कैलाश यादव ने कहा कि यादव समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों पर चलकर समाज ने त्याग, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. उन्होंने कहा कि सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में यादव समाज की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। सम्मेलन में शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय और सामाजिक उत्थान पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार से डेयरी और पशुपालकों को 50 प्रतिशत सब्सिडी तथा ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग की गयी। बैठक में आगामी 11 जून को लालू प्रसाद यादव का 79वां जन्मदिन धूमधाम से मनाने तथा 18 दिसंबर को रांची के शहीद मैदान में राष्ट्रीय स्तर पर विराट महासम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

गुमला में भारत माला सड़क का विरोध, सड़क पर बोया बीज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला में रविवार को लटठा बरटोली गांव के ग्रामीणों ने भारत माला सड़क के निर्माण का विरोध किया।ग्रामीणों ने अपनी जमीन पर सड़क बनाने पर रोक लगा दिया है।सड़क बनाने गयी गाड़ियों को खदेड़ दिया गया।यहां तक की सड़क निर्माण स्थल पर ग्रामीणों ने हल जोतकर धान का बिचड़ा छिड़क दिया। सड़क निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग लगा दिया।महात्मा गांधी और स्वतंत्रता सेनानी जतरा टाना भगत के अनुयायी टाना भगतों ने बीच सड़क पर बैरीकेडिंग लगाकर तिरंगा झंडा फहरा दिया।ग्राम प्रधान टिबरू मुंडा ने कहा है कि बिना मुआवजा दिये हमारी कृषि योग्य जमीन प्रशासन ले लिया है। उसपर सड़क बना रही है।सड़क सिलम गांव के रूट से बनने वाली थी। परंतु, सरकार ने कृषि योग्य जमीन को बरबाद करने के लिए चंदाली से होते हुए लटठा बरटोली गांव से लेकर छत्तीसगढ़ तक सड़क बना रही है।जिससे सैंकड़ों एकड़ खेती योग्य जमीन, जंगल व पहाड़

बर्बाद हो रहा है।टाना भगत समाज के वृद्ध जीता टाना भगत ने कहा है कि यह हमारे पूर्वजों की जमीन है। 1800 ईस्वी में ये जमीन उन्हें मिली है।इसी जमीन से धान उपजता है। जिससे हमारे परिवार का जीविका चलती है। धरती हमारी मां है। जिसपर सड़क बनने नहीं देंगे।ग्रामीणों के विरोध के बाद उक्त स्थान पर अभी सड़क निर्माण बंद है।लेकिन अन्य स्थानों पर सड़क बनाने का काम तेजी से चल रही है।गुमला शहर से आठ किमी दूर लटठा बरटोली गांव के कई परिवार ने भारत माला परियोजना सड़क के लिए अपनी जमीन देने से इंकार कर दिया है। लेकिन दूसरी तरफ सरकार ने सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।चैरअंबा से शुरू हो रहे भारत माला सड़क का काम तेजी से हो रहा है।अभी मिटटी भरकर सड़क को ऊंचा किया जा रहा है।सड़क पर मिटटी भराई का काम अब लटठा बरटोली गांव तक पहुंचने वाला है।लेकिन इस गांव के कई परिवार जिनकी जमीन भारत माला परियोजना में जा रही है।उसका विरोध शुरू कर दिया है।टाना भगतों ने कहा है कि हमारे पूर्वज अंग्रेजों व जमींदारों से लड़े। आज सरकार हमारी जमीन से बेदखल करने में लगी है। सड़क बनाकर जल, जंगल, जमीन व पहाड़ को नष्ट किया जा रहा है।इसी जल, जंगल, पहाड़ को जिंदा रखने के लिए हमलोग हजारों सालों से गांवों में रह रहे हैं।लेकिन अब सरकार इसे पलभर में बर्बाद करने में तूली है। ग्रामीणों का आरोप है। प्रशासन की गलत रिपोर्ट के कारण सड़क निर्माण का रूट बदल दिया गया।सरकारी गजट के अनुसार भारत माला परियोजना की सड़क गुमला शहर के बाइपास सड़क से होकर बनने वाली थी जो सिलम, रायडीह होते हुए छत्तीसगढ़ को जोड़ती।लेकिन एक साजिश के तहत सरकारी गजट के विरुद्ध जाकर गुमला प्रशासन ने हमारे गांव की जमीन सड़क बनाने के लिए सरकार को दे दी।

चलती ट्रेन से फिसली महिला, आरपीएफ की सविता ने बचायी जान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की महिला कांस्टेबल सविता गाड़ी ने अपनी सतर्कता, साहस और त्वरित कार्रवाई से एक महिला यात्री की जान बचाकर बहादुरी की मिसाल पेश की। यह घटना ट्रेन संख्या 18611 रांची-बनारस एक्सप्रेस के प्लेटफार्म संख्या एक से खुलने के दौरान हुई। जानकारी के अनुसार एक यात्री अपनी पत्नी रेखा और डेढ़ वर्ष के बच्चे के साथ जल्दबाजी में चलती ट्रेन पर सवार होने का प्रयास कर रहा था।इसी दौरान महिला यात्री रेखा का संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म तथा ट्रेन के बीच के गैप में गिरकर ट्रेन के साथ घसीटने लगी।घटना को देखते ही ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ की लेडी कांस्टेबल सविता गाड़ी तुरंत हरकत में आयीं। उन्होंने बिना अपनी जान की परवाह किये महिला को मजबूती से पकड़ लिया और ट्रेन रुकने तक संभाले रखा।उस समय तेज बारिश हो रही थी।इस कारण महिला यात्री फर्श पर फिसलती गयी। सविता गाड़ी की सूझबूझ और साहस के कारण बड़ा हादसा टल गया।राहत की बात यह रही कि महिला यात्री को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आयी। बाद में उसे सुरक्षित उसकी आरक्षित बोगी एस-1 में बैठाया गया।घटना में महिला जवान को हल्की चोट भी आयी है।वहीं स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेलकर्मियों ने महिला कांस्टेबल के साहसिक कार्य की सराहना की।

सीबीएसई 10वीं दूसरे बोर्ड की परीक्षा में दो हजार छात्र होंगे शामिल, 15मई से होगी शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सीबीएसई की ओर से कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए दूसरे बोर्ड परीक्षा 15 मई से 21 मई तक आयोजित की जायेगी। बोर्ड की ओर से दूसरी बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम पहले ही जारी किया गया है।दूसरी बोर्ड परीक्षा में राजधानी रांची के लगभग दो हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार सभी संबद्ध विद्यालय सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपने विद्यार्थियों के एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं, जबकि निजी उम्मीदवार एडमिट कार्ड वेबसाइट पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। दूसरी बोर्ड परीक्षा के सुचारु, निष्पक्ष व पारदर्शी संचालन के लिए भी बोर्ड ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।सीबीएसई के सिटी कोआर्डिनेटर डॉ जया चौहान के अनुसार विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र पर सुबह 10 बजे के बाद प्रवेश नहीं दिया जायेगा।इसलिए परीक्षार्थियों को मुख्य परीक्षा की ही तरह दूसरी बोर्ड परीक्षा में भी सुबह 10 बजे से पहले ही परीक्षा केंद्रों पर अनिवार्य रूप से प्रवेश करना है।सभी विद्यार्थियों को निर्धारित स्कूल यूनिफार्म में आना होगा और अपने साथ स्कूल पहचान पत्र और सीबीएसई की ओर से जारी एडमिट कार्ड लाना आवश्यक होगा। सीबीएसई द्वारा निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 15 मई को गणित (बेसिक व स्टैंडर्ड), 16 मई को इंग्लिश, 18 मई को साइंस, 19 मई को हिंदी, 20 मई को संस्कृत, फ्रेंच, जर्मन व अन्य भाषाएं, 21 मई को सोशल साइंस की परीक्षा होगी।

राज्य में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा, सरकार प्रशासन पूरी तरह विफल: बीजेपी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में बढ़ते अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा ने हेमंत सोरेन की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रविवार को कहा कि राज्य में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है और सरकार प्रशासनिक स्तर पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है।प्रतुल शाहदेव ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि प्रति लाख आबादी पर हत्या के मामलों में झारखंड देश में शीर्ष पर पहुंच गया है। उनके अनुसार वर्ष 2024 में राज्य में 1472 हत्या के मामले दर्ज किए गए और हत्या का अनुपात 3.7 प्रति लाख आबादी रहा, जबकि राष्ट्रीय

औसत 1.9 है। उन्होंने कहा कि झारखंड तेजी से अपराध प्रभावित राज्यों की श्रेणी में शामिल होता जा रहा है।भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े छह वर्षों के दौरान राज्य में 10 हजार से अधिक दुष्कर्म, 11 हजार से ज्यादा अपहरण और 9250 से अधिक हत्याएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है और आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है।प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर प्रशासनिक लापरवाही का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जुलाई 2022 में नियुक्त 39 पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) ने अक्टूबर 2023 में अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया था, लेकिन अब तक उनकी तैनाती नहीं की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य अपराध की गंभीर समस्या से जूझ रहा है, तब प्रशिक्षित अधिकारियों को जिम्मेदारी क्यों नहीं सौंपी जा रही।उन्होंने कहा कि सरकार इन अधिकारियों के वेतन और भत्तों पर करोड़ों रुपये खर्च कर चुकी है, लेकिन उनकी तैनाती नहीं होना सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।भाजपा ने राज्य सरकार से कानून व्यवस्था को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति बनाने और पुलिस प्रशासन को सक्रिय करने की मांग की है।

जिला के सभी पहान, महतो और पूजार का पेसा कानून पर वार्षिक कार्यशाला आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : रविवार को झखरा कुम्बा सभागार में जिला के सभी पहान महतो और पूजार का वार्षिक कार्यशाला पेसा कानून पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वक्ता में पूर्व पंचायती राज निदेशक सह आयकार आयुक्त निशा उरांव ने कहा कि रूढ़िजन्य आदिवासी वह है कि अपने मूल सामाजिक प्रथा, धार्मिक प्रथा तथा कस्टमरी लॉ से जुड़ा है। ग्राम सभा केवल प्रशासनिक इकाई नहीं है बल्कि यह आदिवासियों के लिए एक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक केन्द्र है। पेसा कानून ग्राम सभा को विशेष शक्तियां देता है और आदिवासी रूढ़िजन्य कानून को संविधान तथा पेसा कानून मान्यता देता है। उन्होंने ने बताया कि ग्राम प्रधान/हातू मुंडा/पड़हा राजा इत्यादि पर रीति-रिवाज और धर्म परंपरा के रक्षा का जिम्मेदारी होता है,उनको सरना धर्म, जतरा तथा पूजा पाठ जैसे देसावली पूजा, देवी पूजा, हड़गड़ी पूजा, डांगरी पूजा इत्यादि को सही रूप देता है। आदिवासी पारंपरिक पद पर धर्मांतरित आदिवासी को नहीं बना रहना चाहिए। संविधान का अनुच्छेद 25,26 29 पेसा कानून का धारा 4 (घ) तथा पेसा नियमावली धारा 23(-) तहत ग्राम सभा अपने सामाजिक - धार्मिक प्रथा के संरक्षण के लिए धर्मांतरित आदिवासीयों को अपने पारंपरिक पद से हटा सकती है। मौके पर केन्द्रीय महासचिव ने कहा कि अगर पहान धर्मातरण हो जाता है तो अपनी धार्मिक जिम्मेदारी नहीं निभा सकेगा। पहनाई भूमि खेती, धर्म कर्म और समुदाय सेवा के लिए दी जाती है। उसकी निजी संपत्ति नहीं होता है। जालेश्वर उरांव ने कहा कि पेसा नियमावली पर विस्तार से चर्चा करते हुए जिले के पहान पूजारों एवं महतो का पावर को गौण करते हुए ग्राम सभा परंपरिक रूप से काम कर रही है। आज भी मौजा एवं थाना न0 अंचल के पंजी क्क्र में दर्ज है,तो फिर उपायुक्त सिमांकन एवं मान्यता कैसे देंगे। ग्राम सभा गठन की प्रक्रिया में दी गई है जमीन वापसी में भी धाल मेल है। सी.एन.टी. में उपायुक्त वापस करने का अधिकार के बावजूद भूमि लूटी जा रही है। उन्होंने ने कहा कि वर्ष 2025 नियामावली को अध्ययन से पता चला कि पड़हा व्यवस्था का पावर मामूली कर दिया है। मुर्गी लड़ाई जैसे झगड़ों का ही निपटारा कर सकता है। पूर्व में बनी नियामावली को षड्यंत्र के तहत तोड़ मरोड़ कर जान बूझ कर कमजोर किया गया है। नियामवली के सभी बिन्दुओं को अध्ययन के बाद जिले के पहान पूजारों ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा साथ ही अनुसूचित क्षेत्र पारंपरिक उल्लगुलान जोरदार किया जाएगा। कार्यक्रम में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा जिला समिति के पदाधिकारीगण, परंपरा स्वशासन पड़हा एवं भारी संख्या में बुद्धजीवीगण मौजूद थे।

वज्रपात से किशोर की मौत, छोटा भाई बचा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : आकाशीय बिजली गिरने से रविवार को भरनो थाना के सुकुरहुटु गांव में एक 13 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गयी।प्राप्त जानकारी के अनुसार सुकुरहुटु निवासी फुलेंद्र महतो के पुत्र अमन महतो(13 वर्ष) अपने छोटे भाई अमित महतो (10 वर्ष) के साथ बकरी चराने गया था। दोपहर लगभग 3.30 बजे अचानक मौसम बिगड़ने और बारिश शुरू होने पर दोनों भाइयों ने बारिश से बचने के लिये एक पुटकल के पेड़ के नीचे शरण ली।इसी दौरान जोरदार गर्जन के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गयी।जिसकी चपेट में आने से दोनों भाई गंभीर रूप से झुलस गये. परिजनों द्वारा आनन-फानन में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद अमन महतो की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे रांची रेफर कर दिया गया।हालांकि, अस्पताल ले जाने के क्रम में ही अमन ने दम तोड़ दिया। जबकि उसका छोटा भाई अमित महतो फिलहाल खतरे से बाहर है।पिता फुलेंद्र महतो ने बताया दोनों बच्चे उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुकुरहुटू के छात्र थे। मृतक के पिता ने जिला प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर है।इधर, सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जानकारी ली और मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है।

धार्मिक स्थलों को मिलेगा नया स्वरूप, विश्वामित्र स्थान एवं कल्याणेश्वर मंदिर के विकास के लिए टेंडर जारी

मिथिला पर्यटन को नई उड़ान विश्वामित्र स्थान और कल्याणेश्वर महादेव मंदिर का होगा भव्य सौंदर्यीकरण

मधुबनी, (एजेंसी) : मधुबनी जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के दो प्रमुख स्थलों हरलाखी प्रखंड स्थित विश्वामित्र स्थान एवं कल्याणेश्वर महादेव मंदिर के विकास कार्य के लिए बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा टेंडर जारी कर दिया गया है। यह जिले के पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा इन महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, विकास एवं पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से विस्तृत प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव पर तत्कालीन पर्यटन एवं कला-संस्कृति मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने विशेष अभिरुचि लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराई। जिसके परिणामस्वरूप अब इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की दिशा में ठोस पहल शुरू हो चुकी है। जारी टेंडर के अनुसार हरलाखी स्थित विश्वामित्र आश्रम के विकास एवं सौंदर्यीकरण पर लगभग 1327.63 लाख रुपये तथा कल्याणेश्वर महादेव मंदिर के रिनोवेशन एवं पर्यटन विकास कार्य पर लगभग 1360.99 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। विश्वामित्र आश्रम धार्मिक, पौराणिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है। मान्यता है कि महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि होने के कारण यह स्थान आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। वहीं कल्याणेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक परंपराओं एवं लोक आस्था का प्रमुख केंद्र है. जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि दोनों स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं आधुनिक पर्यटन सुविधाओं के विकास से न केवल मधुबनी जिले में पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा, बल्कि संपूर्ण बिहार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को भी व्यापक बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। परियोजना पूर्ण होने के बाद यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं, आकर्षक परिसर, सुगम आवागमन एवं आधुनिक पर्यटन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से स्थानीय रोजगार, स्वरोजगार, होटल एवं परिवहन व्यवसाय सहित अनेक क्षेत्रों को भी सकारात्मक लाभ मिलेगा। साथ ही मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्राप्त होगी। निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण होने के बाद मधुबनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

गया जंक्शन में चोरी के तीन मोबाइल के साथ उच्चका गिरफ्तार

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन परिसर में गश्त और निगरानी के दौरान रविवार को आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम ने एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। टीम प्लेटफॉर्म वन-बी के दिल्ली छोर पर जांच कर रही थी कि तभी एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। संदेह होने पर जवानों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।पूछताछ में युवक ने अपना नाम धीरज कुमार निवासी कमालपुर थाना मुफस्सिल जिला गया बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से तीन मोबाइल बरामद किए गए। सभी मोबाइल चालू एवं लॉक अवस्था में थे। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यात्रियों के मोबाइल चोरी किए थे।इसके बाद उसे गया जीआरपी थाना लाया गया जहां मामला दर्ज की गई।

बूथ-बूथ बजेगी मन की बात, भाजपा ने फतेहपुर में बनाई संगठन विस्तार की रणनीति

पश्चिमी मंडल की बैठक में कार्यकताओं को सक्रिय करने पर दिया गया जोर

प्रधानमंत्री के मासिक कार्यक्रम को गांव-गांव तक पहुंचाने का लिया संकल्प

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय परिसर में रविवार को भारतीय जनता पार्टी फतेहपुर पश्चिमी मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने की। इसमें संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक का मुख्य केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्न को मंडल क्षेत्र के प्रत्येक बूथ तक पहुंचाना रहा। नेताओं ने कहा कि हर माह प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को बूथ स्तर पर सामूहिक रूप से सुनने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रधानमंत्री के विचारों को आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। बैठक में कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, आम जनता से लगातार संपर्क बनाए रखने तथा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आान किया गया। नेताओं ने कहा कि मजबूत संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी से ही पार्टी का जनाधार और मजबूत होगा।

इस अवसर पर गया जिला उपाध्यक्ष सुधांशु मिश्रा, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, मंडल उपाध्यक्ष आलोक कुमार उर्फ पप्पू, रवि कुमार, चंद्रिका प्रसाद चुन्नी, हिमांशु कुमार, शशिकांत कुमार, अनिल मालाकार, चंदन कुमार, धीरू सिंह, ललन कुमार सहित कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाराघाट में कलश यात्रा के साथ लक्ष्मीनारायण सह देवी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ शुरू

कलश यात्रा के साथ भक्तिमय माहौल, 16 मई तक चलेंगे धार्मिक अनुष्ठान

अयोध्या, काशी व ऋषिकेश से पहुंचे संत-महात्मा, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगी आयोजित

फतेहपुर (गया) (एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र की कांटी पंचायत अंतर्गत ग्राम बाराघाट देवी मंदिर घुटकुआ में रविवार से लक्ष्मीनारायण सह देवी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। श्रद्धालु यज्ञ मंडप से कलश लेकर जलभरी के लिए सरोवर पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में पवित्र जल भरा गया। इस दौरान डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया।महायज्ञ का आयोजन 10 मई से 16 मई तक किया जाएगा। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। आयोजन समिति ने बताया कि यह महायज्ञ श्री श्री 108 भगवान स्वामी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन जल यात्रा निकाली गई। इसके बाद पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, जलाधिवास, अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, नगर भ्रमण, प्राण प्रतिष्ठा एवं हवन-पूजन जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन क्रमवार किया जाएगा। अंतिम दिन शुक्रवार को यज्ञ पूणाहुति, विशाल भंडारा तथा साधु-संतों के विदाई समारोह का आयोजन होगा। समिति के सदस्यों ने बताया कि अयोध्या, ऋषिकेश, प्रयागराज एवं काशी-वाराणसी से संत-महात्माओं का आगमन हुआ है। महायज्ञ के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, कृष्ण लीला एवं झूला कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग मिल रहा है।

गुरपा पुलिस ने विशेष छापेमारी कर चार साल से फरार चल रहे तीन वारंटी को किया गिरफ्तार

गुरपा थाना क्षेत्र के तेलनी गांव में पुलिस ने की छापेमारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया पुलिस कप्तान के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के तहत गुरपा थाने की पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों मारपीट के मामले में पिछले चार साल से फरार चल रहे थे। थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार ने बताया कि बताया कि अपराध नियंत्रण एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्र में लगातार विदेश छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना क्षेत्र के तेलनी गांव में सघन छापेमारी की गई। इस छापेमारी के दौरान यहां से तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में महरू तुरिया, राजेश तुरिया एवं पप्पू तुरिया शामिल हैं। ये तीनों मारपीट के मामले में आरोपी हैं और इस मामले में पिछले चार से फरार थे। पूछताछ के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया है।

विश्व प्रसिद्ध संरचनाओं की एक ही स्थान पर देखने को मिलेगी सात अजूबा झलक:डॉ प्रेम

बोधगया में 21.79 करोड़ की लागत से बन रहा भव्य इको-टूरिज्म पार्क

गया जी (एजेंसी) : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने रविवार को बोधगया के सिलौंजा स्थित निमार्णाधीन इको-टूरिज्म पार्क का स्थल निरीक्षण किया और कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डॉ कुमार ने बताया कि गया वन प्रमंडल द्वारा लगभग 40 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा यह इको-टूरिज्म पार्क राज्य की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसकी कुल लागत करीब 21.79 करोड़ रुपये है। इस परियोजना की घोषणा फरवरी 2025 में मुख्यमंत्री द्वारा प्रगति यात्रा के दौरान की गई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है और अगले तीन माह में इसके पूर्ण होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि पार्क को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां मजबूत बाउंड्री वॉल, भव्य प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, बैठने की समुचित व्यवस्था, आधुनिक लाइटिंग सिस्टम और सुन्दर प्रकाश व्यवस्था का निर्माण किया जा रहा है, जिससे रात्रि में भी पार्क की आकर्षण क्षमता बनी रहेगी।

पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिसर में कैफेटेरिया, आधुनिक शौचालय, विस्तृत पार्किंग क्षेत्र, बच्चों के लिए अत्याधुनिक खेल क्षेत्र तथा आकर्षक गजीबो का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही हरियाली बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर लॉन, वृक्षारोपण एवं सजावटी पौधों का विकास किया जा रहा है।

विश्व के सात अजूबों की प्रतिकृतियां होंगी आकर्षक

इस परियोजना का विशेष आकर्षण विश्व के सात अजूबों की प्रतिकृतियां होंगी। इनमें ताजमहल, ग्रेट वॉल ऑफ चाइना, क्राइस्ट द रिडीमर, ईस्टर आइलैंड मोआई, पेट्रा तथा कोलोसियम जैसी विश्व प्रसिद्ध संरचनाओं की झलक एक ही स्थान पर देखने को मिलेगी, जो इसे पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनाएगी। डॉ कुमार ने कहा कि बोधगया पहले से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। ऐसे में इस इको-टूरिज्म पार्क के विकसित होने से क्षेत्र में पर्यटन को नई गति मिलेगी और पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के व्यापक अवसर भी सृजित होंगे। पार्क के संचालन, रखरखाव, सुरक्षा, सफाई, उद्यान प्रबंधन एवं कैफेटेरिया संचालन में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। साथ ही आसपास के छोटे व्यापारियों, होटल व्यवसायियों एवं दुकानदारों को भी आर्थिक लाभ होगा।

अध्यक्ष ने कहा कि यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक एवं आर्थिक विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है। बड़े पैमाने पर हरियाली विकास से क्षेत्र में पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य समय पर पूर्ण होने के बाद यह इको-टूरिज्म पार्क बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल होगा और गया जिला सहित पूरे राज्य के पर्यटन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गया जंक्शन पर चला एंटी सबोटेज जांच अभियान

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से रविवार को संयुक्त रूप से एंटी सबोटेज चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में सघन जांच की गई। सुरक्षा बलों ने प्लेटफार्म, सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, फुट ओवरब्रिज, ट्रैक क्षेत्र, मेन गेट तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान विशेष रूप से लावारिस सामान, संदिग्ध व्यक्तियों एवं विस्फोटक सामग्री की संभावना को ध्यान में रखते हुए हर गतिविधि पर नजर रखी गई। ड्यूटी में तैनात अधिकारियों और जवानों ने आपसी समन्वय के साथ सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराया।

यात्रियों को किया गया जागरूक, स्थिति पूरी तरह से सामान्य

अभियान के दौरान आरपीएफ और जीआरपी टीम के सुरक्षा कर्मियों ने यात्रियों को भी सतर्क रहने की अपील की। यात्रियों से कहा गया कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार एंटी सबोटेज चेकिंग के दौरान कोई भी आपत्तिजनक वस्तु या संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली। संपूर्ण स्टेशन परिसर की स्थिति सामान्य और सुरक्षित पाई गई। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे।

हक-अधिकार की लड़ाई में एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत : जिलाध्यक्ष

गोपीमोड़ में बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति का सम्मेलन में संगठित होने का किया आान

रामशरण पंडित बने फतेहपुर प्रखंड अध्यक्ष, नई कमेटी को दिलाई गई शपथ

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया जी) : बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति प्रखंड फतेहपुर की ओर से रविवार को गोपीमोड़ में प्रजापति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष प्रभुदयाल ने की, जबकि संचालन सचिव जगलाल पंडित ने किया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। गुरु वंदना और स्वागत गान के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया गया तथा माला और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए समिति के जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार अजय ने कहा कि समाज को अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने के लिए संगठित होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि संगठन में ही शक्ति होती है और एकजुटता के बल पर ही समाज अपने अधिकार प्राप्त कर सकता है। पूर्व जिलाध्यक्ष नंदलाल पंडित, प्रदेश युवाध्यक्ष अटल प्रजापति और कैलाश प्रजापति ने भी सभा को संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक सम्मान और अन्य मांगों को लेकर समाज को एक मंच पर आना होगा।कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुखिया अर्जुन पंडित ने गोपीमोड़ में प्रजापति भवन निर्माण के लिए जमीन दान करने की घोषणा की। वहीं कई समाजसेवियों ने भवन निर्माण और जमीन रजिस्ट्री में आर्थिक सहयोग देने का भरोसा दिलाया।सम्मेलन के अंत में पुरानी कमेटी को भंग कर नई प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से रामशरण पंडित को अध्यक्ष, दिलीप कुमार को उपाध्यक्ष, हिमांशु गौतम को सचिव, अर्जुन पंडित को उप सचिव, सुचित कुमार को कोषाध्यक्ष, अरविंद पंडित को उप कोषाध्यक्ष, जगलाल पंडित को अंकेक्षक, लखन पंडित को व्यवस्थापक तथा प्रभुदयाल को संयोजक बनाया गया।इसके अलावा अर्जुन पंडित, नंदलाल पंडित, चमारी पंडित, खुशलाल जी अकेला और बृजनंदन पंडित को संरक्षक बनाया गया। मुसाफिर पंडित को युवाध्यक्ष, दिनेश पंडित को युवा सचिव, संजय कुमार को मीडिया प्रभारी और पुष्पा कुमारी को महिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवगठित पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष ने शपथ दिलाई। मौके पर अमित कुमार रौशन, मोहन प्रजापत, हरखू पंडित, गणेश पंडित, नित्यानंद कुमार समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

पोषण व शिक्षा की मजबूत कड़ी होती हैं, आंगनबाड़ी सेविकाएं- सहायिकाएं: झा

महासंघ भवन परिसर में जुटीं सेविकाएं और सहायिकाएं, संगठन मजबूती पर दिया गया जोर

गया जी (एजेंसी) : गया सदर प्रखंड का आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका सम्मेलन रविवार को महासंघ भवन परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता अनिता झा ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं समाज के अंतिम पायदान तक पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।स्वास्थ्य योजनाओं को घर-घर पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रही है। सम्मेलन के दौरान प्रखंड अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष द्वारा प्रतिवेदन सदन में प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार से मानदेय में वृद्धि, स्थायी सेवा का दर्जा, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन और कार्यस्थल पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। नेताओं ने कहा कि सेविकाएं सीमित संसाधनों में भी बच्चों और महिलाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही हैं, इसलिए उनकी मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

इस अवसर पर नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। सम्मानित अध्यक्ष के रूप में मधुबाला सहाय, मुख्य संरक्षक सुनीता रानी, कार्यकारी अध्यक्ष मंजू देवी और प्रखंड मंत्री मधु कुमारी को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा शबाना परवीन, सुमन कुमारी, तारा देवी, संजू कुमारी, नेहा कुमारी, मेघा कुमारी तथा अन्य सदस्य विभिन्न पदों पर चुनी गईं।सम्मेलन की अध्यक्षता सुनीता रानी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत झंडोत्तोलन और शहीद बेदी पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद सभा की कार्यवाही प्रारंभ की गई। राज्य एवं जिला स्तर से पहुंचे प्रतिनिधियों का स्वागत गगनभेदी नारों और उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम के अंत में संगठन को और मजबूत बनाने तथा सेविकाओं के अधिकारों की लड़ाई को तेज करने का संकल्प लिया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में सेविका और सहायिकाओं की भागीदारी देखने को मिली।सम्मेलन में महासंघ के जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद, जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव, आंगनबाड़ी सेविका सहायिका संघ की राज्य अध्यक्ष अनीता झा, जिला मंत्री मंजू कुमारी, कोषाध्यक्ष प्रेमलता सिंह सहित विभिन्न प्रखंडों से आई महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सेना से रिटायर्ड होकर घर लौटे कैप्टन विनय कुमार का कोड़िया गांव में हुआ भव्य स्वागत

गुरपा रेलवे स्टेशन से कोड़ियां गांव तक निकला गाजे-बाजे के साथ सम्मान जुलूस

भारत माता की जय और हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारों से गूंजा पूरा इलाका

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद कैप्टन विनय कुमार के अपने पैतृक गांव कोड़ियां पहुंचने पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। उनके सम्मान में गुरपा रेलवे स्टेशन पर पंचायत प्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं ग्रामीणों की बड़ी संख्या जुटी। कैप्टन विनय कुमार के स्टेशन पहुंचते ही लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। इसके बाद गुरपा रेलवे स्टेशन से कोड़ियां गांव तक गाजे-बाजे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल लोग देशभक्ति के रंग में रंगे नजर आए और पूरे रास्ते भारत माता की जय तथा हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारों से माहौल गूंजता रहा। ग्रामीणों ने कहा कि कैप्टन विनय कुमार ने सेना में रहकर देश सेवा की है, जिस पर पूरे क्षेत्र को गर्व है। गांव पहुंचने पर लोगों ने उनका अभिनंदन करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की।

संपादकीय

युवाओं का बढ़ता गुस्सा सरकारों के लिए गंभीर चेतावनी

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट केवल अपराधों के आंकड़े प्रस्तुत नहीं करती है, बल्कि समाज की बदलती मानसिकता और सामाजिक तनावों का भी आईना होती है। हाल की रिपोर्ट में झारखंड सहित कई राज्यों में 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में बढ़ते गुस्से, असहिष्णुता और आक्रामकता को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। यह चिंता अपराधों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक बदलाव में उस मानसिक स्थिति का संकेत है, जिसमें भारत की सबसे बड़ी आबादी का युवा वर्ग धीरे-धीरे धैर्य और संतुलन खो रहा है। उसकी संलिप्तता कई अपराधों में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक कारणों से होने लगी है। युवा वर्ग जरा-जरा सी बात पर गुस्से में नजर आ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार रेलवे में अपराध बढ़ रहे हैं। साइबर अपराध, हत्या और आत्महत्या जैसी घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। जमीन और संपत्ति विवादों के कारण होने वाली हत्याओं में बढ़ोत्तरी असहिष्णुता का उदाहरण है। छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, पारिवारिक कलह अब सामाजिक राजनीतिक एवं धार्मिक टकराव की सामान्य अपराधिक घटनाएं बनती जा रही हैं। इस स्थिति का मतलब है, समाज में संवाद और सहनशीलता का स्तर तेजी से कमजोर होता जा रहा है। युवाओं के भीतर बढ़ते गुस्से के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी और महंगाई है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। सरकारों की असंवेदनशीलता से युवाओं के भीतर गुस्सा निराशा और हताशा बढ़ रही है। बढ़ती महंगाई ने मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को तेजी से खराब कर दिया है। रोजाना खाने-पीने और जरूरी खर्च भी नहीं उठा पा रहे हैं। युवा अपनी रोजाना की जरूरतों और भविष्य की असुरक्षा तथा शादी-ब्याह नहीं हो पाने के कारण भारी गुस्से में दिख रहा है। इसका एक नजारा पिछले दिनों बिहार में देखने को मिला। युवाओं के प्रदर्शन पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी, यह स्थिति अब लगभग हर राज्य में दिखने लगी है। युवाओं ने जो सपने संजोए थे, वे सपने ही बनकर रह गए हैं। वास्तविकता से वह कोसों दूर हैं। जिसके कारण युवाओं का गुस्सा, मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है, जो कानून व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन रहा है।

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्त्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
: महात्मा गांधी

स्वयं कर्म, जब तक मुझे यह भरोसा होता है कि यह सही कर्म है, मुझे संतुष्टि देता है।
: जवाहर लाल नेहरु

दैनिक पंचांग

10 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ	समय
वृष	05.43 बजे से
मिथुन	07.41 बजे से
कर्क	09.54 बजे से
सिंह	12.10 बजे से
कन्या	14.22 बजे से
तुला	16.33 बजे से
वृश्चिक	18.48 ब.से
धनु	21.04 बजे से
मकर	23.09 बजे से
कुंभ	00.55 बजे से
मीन	02.28 बजे से
मेष	03.59 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 130 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 15.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ब्रह्म 02.09 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 15.07 बजे तदनन्तर तैतिल 03.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 34' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872705 **जूलियन दिन** 2461170.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 22 **विशेष** मातृ दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7508

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7507 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

तामिलनाडु के द्रविड़ राजनीति में विजय का उदय

वर्तमान तमिलनाडु की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो पार्टियां द्रविड़ मुनेत्र कङगम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कङगम (एआईएडीएमके) के वर्चस्व को पीछे छोड़ते हुए अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कङगम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई है। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कङगम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष जोसेफ विजय द्वारा सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था।जबकि टीवीके के संस्थापक जोसेफ विजय राज्यपाल अर्लेकर से दो बार मुलाकात कर सरकार बनाने का निमंत्रण देने का अनुरोध किया था। जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने में राज्यपाल की देरी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई।यह सर्वविदित है कि संविधान द्वारा शासित संसदीय लोकतंत्र में, किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त है या नहीं, यह प्रश्न केवल सदन के पटल पर ही निर्धारित किया जा सकता है। दूसरी ओर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वार्ता और एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाने के प्रयासों की खबरें भी आई जो जनादेश के विरुद्ध था। तमिलनाडु में अंदरखाने राष्ट्रपति शासन लगाने की चर्चा होने लगा था। तमिलनाडु में विजय की सरकार को कांग्रेस, लेफ्ट और वीसीके ने अपना समर्थन दिया है। आईयूएमएल ने भी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।तामिलनाडु में सरकार गठन के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए था जो अब 121 विधायकों का समर्थन मिल गया है। इसके बाद टीवीके की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। इस चुनाव में विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसके बाद भी सरकार बनाने को लेकर जोसेफ विजय को काफी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, मुश्किलों को हल करने में राहुल गांधी की भूमिका काफी अहम रही है। तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय रविवार को राज्य के 9 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया है।इनके साथ नौ लोगों ने मंत्री पद का शपथ लिया है।जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके का उदय तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक फिल्म अभिनेता के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की अपेक्षाओं और द्रविड़ राजनीति के भीतर उभरते खाली स्थान का परिणाम भी है।विजय तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार विरोध और युवा शक्ति जैसे मुद्दे दिखाए जाते रहे हैं। उनका प्रशंसक नेटवर्क वर्षों से संगठित रूप में काम कर रहा था, जो अब राजनीतिक ढांचे में बदला गया है।टीवीके ने अभी तक खुद को पूरी तरह किसी एक वैचारिक ध्रुव से नहीं जोड़ा है।वे द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और तमिल अस्मिता को बनाए रखते हुए "सर्वसमावेशी" छवि बनाना चाहते हैं।वे युवाओं को रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और सुशासन पर जोर देकर नई पीढ़ी को द्रविड़ राजनीति में जोड़ा है। इस बार के चुनाव में एआईएडीएमके का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत तक गिरा है। इस बार सिर्फ पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई है, बल्कि वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी गंवा बैठी है।

डीएमके और एआईएडीएमके दोनों पार्टियां पेरियार और अन्नादुरई के सिद्धांतों जैसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हिंदी विरोध को मानती है।1967 से तमिलनाडु में केवल इन दो पार्टियों ने ही सरकारें बनाई हैं, जो बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। दोनों ही पार्टियों का फिल्मी जगत से गहरा संबंध रहा है, जहां नेता अक्सर पटकथा लेखक या अभिनेता रहे हैं।डीएमके का उदय 1949 में हुआ था।सी.एन. अन्नादुरई ने पेरियार के कुछ विचारों से असहमति के बाद डीएमके बनाई, जो चुनावी राजनीति में उतरी। दक्षिण के बड़े अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने करुणानिधि से विवाद के बाद डीएमके से अलग होकर 1972 में एआईएडीएमके बनाई।बाद में जयललिता ने इस पार्टी की कमान संभाली थी। जयललिता भी दक्षिण की मशहूर अभिनेत्री थी। तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति का इतिहास 1916 में जस्टिस पार्टी की स्थापना से शुरू होकर आज की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वैचारिक और सत्ता संघर्ष का 110 साल पुराना सफर है।जस्टिस पार्टी की शुरूआत गैर-ब्राह्मण आंदोलन से हुई, जो प्रशासन और शिक्षा में ब्राह्मण वर्चस्व के खिलाफ था।बाद में जस्टिस पार्टी को पेरियार ई.वी. रामासामी ने द्रविड़ कड़गम में बदला, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र द्रविड़ नाडु और सामाजिक सुधार था।तमिलनाडु की राजनीति देश के बाकी राज्यों से काफी अलग मानी जाती है। ऐसा इसलिए कि यहां जाति, भाषा, धर्म, क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक न्याय की राजनीति ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया जिसे द्रविड़ राजनीति कहा जाता है। राज्य की दो सबसे बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके एक ही द्रविड़ आंदोलन से निकली है, दोनों की विचारधारा लगभग समान है, लेकिन राजनीतिक रूप से दोनों दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है और पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से तमिल राजनीति पर कब्जा किया हुआ है। 1967 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहां डीएमके ने कांग्रेस को हराकर सत्ता हासिल कर ली और सी. एन. अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब किसी क्षेत्रीय दल ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति लगभग पूरी तरह द्रविड़ दलों के नियंत्रण में आ गई। अन्नादुरई की मृत्यु के बाद एम. करुणानिधि डीएमके के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे।1969 में सी.एन. अन्नादुरई के निधन के बाद, कलाइग्नार एम. करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और पांच बार इस पद पर आसीन हुए। उन्होंने 2016 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके एक रिकॉर्ड बनाया। 2018 में, उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, डीएमके की आम सभा की बैठक हुई और एम.के. स्टालिन को डीएमके को अध्यक्ष चुना गया था।1980 और 1990 के दशक में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह करुणानिधि बनाम जयललिता में बदल गई। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक संघर्ष बेहद तीखा था। विधानसभा से लेकर सड़कों तक टकराव दिखाई देता था।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को "संगठन आधारित पार्टी" के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए। विजय की लोकप्रियता और उसकी दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पार्टी को मजबूत संगठन, स्पष्ट नीतियां और विश्वसनीय राजनीतिक नेतृत्व कितना विकसित कर पाते हैं।

राज कुमार सिन्हा

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

राजस्थान के पोखरण में हुए सफल परमाणु परीक्षणों तथा भारत की ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धियों की स्मृति में प्रतिवर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस केवल हमारे देश की वैज्ञानिक सफलताओं का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह नवाचार (इनोवेशन), आत्मनिर्भरता, हमारी वैज्ञानिक सोच और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक भी है। यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विज्ञान और तकनीक किसी भी राष्ट्र की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं। सरल शब्दों में कहें तो यह दिन भारत की वैज्ञानिक, तकनीकी और नवाचार क्षमता को सम्मान देने के लिए समर्पित है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का सम्मान करना, युवाओं में अनुसंधान(रिसर्च), नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना, आत्मनिर्भर भारत एवं आधुनिक तकनीकी विकास को बढ़ावा देना तथा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं के योगदान को पहचान देना है। इस अवसर पर विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को सम्मानित भी किया जाता है तथा इसका आयोजन प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा किया जाता है।

गौरतलब है कि पहली बार यह दिवस 11 मई 1999 को मनाया गया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस दिवस का नामकरण तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था। दरअसल, उस समय अटल बिहारी वाजपेयी ने जय जवान, जय किसान के नारे के साथ जय विज्ञान जोड़कर विज्ञान को राष्ट्र शक्ति का तीसरा स्तंभ बताया था।

दरअसल, 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण-ककपरमाणु परीक्षण के अंतर्गत सफल परमाणु परीक्षण किए थे, जिन्हें ऑपरेशन शक्ति के कोडनेम से जाना गया। इस मिशन का नेतृत्व तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार एवं बाद में भारत के राष्ट्रपति बने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किया था। दरअसल,11 मई 1998 को भारत ने तीन परमाणु परीक्षण किए थे, जबकि इसके दो दिन बाद 13 मई 1998 को दो और परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए। इस प्रकार कुल पाँच परमाणु परीक्षणों ने भारत को विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न देशों की श्रेणी में स्थापित कर दिया। इन परीक्षणों के बाद भारत दुनिया का छठा परमाणु शक्ति संपन्न देश बना। विशेष बात यह रही कि भारत ने यह उपलब्धि बिना किसी बाहरी सहायता तथा परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किए बिना प्राप्त की।बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि पोखरण-ककपरमाणु परीक्षण की पूरी योजना इतनी गोपनीय थी कि कई वरिष्ठ मंत्रियों तक को इसकी जानकारी अंतिम समय में दी गई थी। इतना ही नहीं,परीक्षण स्थल पर वैज्ञानिकों के नाम बदल दिए गए थे और वे सेना के अधिकारियों की तरह पहचान छिपाकर काम कर रहे थे तथा परमाणु परीक्षण की तैयारी रात में की जाती थी, ताकि विदेशी जासूसी उपग्रह गतिविधियों को रिकॉर्ड न कर सकें। परीक्षण के उपकरणों को रेगिस्तान में ले जाते समय उन्हें सामान्य सैन्य-सामान की तरह ढककर रखा गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पोखरण परीक्षण के दौरान भारतीय सेना की 58वीं इंजीनियर रेजिमेंट ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन लंबे समय तक उनका योगदान सार्वजनिक चर्चा में कम रहा।परीक्षण से पहले वैज्ञानिकों ने रेत पर पड़े पैरों के निशान तक मिटा दिए थे, ताकि उपग्रहों को किसी असामान्य गतिविधि का संदेह न हो।उस समय भारत आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा था, फिर भी देश ने स्वदेशी तकनीक के बल पर यह उपलब्धि हासिल की।डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने परीक्षण के बाद कहा था कि शक्ति ही शक्ति का सम्मान करती है। दिलचस्प तथ्य यह है कि उस समय दुनिया की सबसे शक्तिशाली खुफिया एजेंसी मानी जाने वाली सीआईए के उपग्रह भी भारत की इस गुप्त तैयारी का पता नहीं लगा सके थे। भारतीय वैज्ञानिकों और सेना ने अत्यंत गोपनीय ढंग से इस मिशन को सफल बनाया था। यह भारत की रणनीतिक क्षमता और वैज्ञानिक दक्षता का अद्भुत उदाहरण माना जाता है।यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि भारत का पहला परमाणु परीक्षण वर्ष 1974 में इसी पोखरण में किया गया था, जिसका कोडनेम स्माइलिंग बुद्धा था। यह परीक्षण 18 मई 1974 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था और इसे भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम की शुरूआत माना जाता है। उस समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में यह परीक्षण भारत की सामरिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था, विशेषकर चीन और पाकिस्तान से उत्पन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए। इस मिशन में डॉ. राजा रामन्ना सहित अनेक भारतीय वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।वर्ष 1998 में जब दोबारा परीक्षण हुआ, तब बुद्ध पूर्णिमा के निकट होने के कारण वैज्ञानिकों ने अनौपचारिक रूप से कहा था-बुद्ध फिर मुस्कराए।कहना गलत नहीं होगा कि यह कथन भारत की दूसरी परमाणु सफलता का प्रतीक बन गया।11 मई 1998 का दिन केवल परमाणु परीक्षणों के कारण ही ऐतिहासिक नहीं बना, बल्कि इसी दिन भारत ने तकनीकी क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ भी हासिल कीं। भारत ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित त्रिशूल मिसाइल का सफल परीक्षण किया। दरअसल, त्रिशूल सतह से हवा में मार करने वाली कम दूरी की मिसाइल थी, जो भारत के इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम का महत्वपूर्ण हिस्सा थी। यह कार्यक्रम भारत को रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम था।इसके अतिरिक्त, इसी दिन भारत के पहले स्वदेशी हल्के विमान हंसा-3 ने भी अपनी पहली सफल उड़ान भरी थी।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को "शक्ति", "मातृशक्ति" और "आधी दुनिया" कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर "सुरक्षित" या "कमजोर" उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में "सरपंच पति" जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए "उपयुक्त क्षेत्र" नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरूआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री बनाना, भाजपा की जातिगत वोट साधने की रणनीति:अशोक विश्वकर्मा

वाराणसी(एजेंसी) : ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने एक विज्ञप्ति में बताया है कि हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाना भाजपा की जातिगत वोट साधने की रणनीति का हिस्सा है। हंसराज विश्वकर्मा तो मोहरा मात्र है, असली मकसद तो आगामी विधानसभा चुनाव के लिए विश्वकर्मा समाज के वोटो का ध्रुवीकरण करना है। गाजीपुर निशा विश्वकर्मा मौत प्रकरण में घटना को पूरी तरह से समाप्त करने में शासन और प्रशासन की भूमिका जग जाहिर हो गई थी। जिससे भाजपा की किरकिरी हो रही थी। इस डैमेज कंट्रोल को मैनेज करने के लिए तथा विश्वकर्मा समाज को साधने के लिए हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री बनाया गया।

सांसद सुप्रिया सुले की कार को मुंबई-पुणे हाइवे पर दूसरी गाड़ी ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचीं

मुंबई. (एजेंसी) : एनसीपी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले शनिवार देरात सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचीं। मुंबई-पुणे हाइवे पर उनकी कर को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार को मामूली नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि सुप्रिया की कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सांसद सुप्रिया ने बताया कि वह पुणे से मुंबई जा रही थीं। पीछे से आ रहे वाहन क्रमांक (जीजे 13 सीएफ 5257) ने उनकी कार को किनारे से जोरदार टक्कर मार दी। सौभाग्य से इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई और सभी लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना लोगों की जान को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने नागरिकों से सीट बेल्ट का उपयोग करने, सावधानी बरतने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने की अपील की है। सुप्रिया बारामती से लोकसभा सदस्य हैं।

असमः भाजपा नीत एनडीए विधायक दल की बैठक में नेता के चुनाव की तैयारी

गुवाहाटी,(एजेंसी) : असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आज भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की बैठक आयोजित होने जा रही है। बैठक में विधायक दल के नेता का चुनाव होगा। इसके बाद सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा।

भाजपा के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं उप पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुवाहाटी पहुंच चुके हैं। वाजपेयी भवन में भाजपा एवं सहयोगी दलों के विधायक लगभग पहुंच चुके हैं। उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 126 सीटों में से 82 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि, सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) 10 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 10 समेत कुल 102 सीटों पर एनडीए ने जीत हासिल की है।

विधायक दल की बैठक को लेकर भाजपा मुख्यालय में आज उत्सव सरीखा माहौल है। उल्लेखनीय है कि आगामी 12 मई को गुवाहाटी के खानापाड़ा खेल मैदान में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं।

गुरुग्राम अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपित पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को सात दिन के रिमांड पर ईडी को सौंपा

गुरुग्राम (हरियाणा), (एजेंसी) : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार पंजाब सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को

रविवार सुबह अदालत में पेश किया। अदालत ने अरोड़ा को सात दिन के रिमांड पर ईडी को सौंप दिया। उनसे गुरुग्राम के एमजी रोड स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। ईडी ने शनिवार को अरोड़ा के चंडीगढ़, गुरुग्राम स्थित ठिकानों पर छापा मारा था। वह लुधियाना वेस्ट से विधायक हैं।ईडी ने करीब 10 घंटे तक चली छापेमारी के बाद शनिवार शाम पांच बजे मंत्री संजीव अरोड़ा को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया था। ईडी सूत्रों के अनुसार, मंत्री संजीव अरोड़ा व उनसे संबंधित कंपनियों पर 157.12 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के जरिये फर्जी एक्सपोर्ट दिखाने के आरोप हैं। इन्हीं आरोपों में उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर,(एजेंसी) : राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एलपीजी सिलेंडर में गैस लीकेज से हुए धमाके में एक महिला और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रायपुर मारवाड़ उपखंड क्षेत्र के कानचा उड़ावता गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार, महिला सुबह चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने गैस चालू की, लीकेज के कारण अचानक आग भड़क उठी और जोरदार धमाका हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला और दोनों बच्चियां बाहर नहीं निकल सकीं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक रसोई पूरी तरह जल चुकी थी।

कश्मीर में गोल्फ पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावा: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर(एजेंसी) :: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि सरकार कश्मीर को एक प्रमुख गोल्फिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के आयोजन करेगी। घाटी के गोल्फ कोर्स देश के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्सों में शुमार हैं। मुख्यमंत्री ने रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में इंडिया गोल्फ कार्निवल 2026 का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही।

मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि कश्मीर का गोल्फ से एक लंबा और ऐतिहासिक संबंध है और यहां विश्व स्तरीय गोल्फिंग बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने कहा, ह्लगोल्फ के साथ कश्मीर का बहुत पुराना रिश्ता है। अगर आप देश के सबसे खूबसूरत गोल्फ कोर्सों को देखें तो श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के कश्मीरी कोर्स आसानी से उनमें गिने जा सकते हैं ह्व मुख्यमंत्री ने कहा कि

सरकार स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और साथ ही जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस खेल का उपयोग कर रही है।उन्होंने कहा कि यह टूनार्मेंट कश्मीर में गोल्फ को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। हम अपने स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं और साथ ही युवा खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। उमर ने कहा कि टूनार्मेंट में देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों सहित 100 से अधिक गोल्फ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बाहर के गोल्फ खिलाड़ी लंबे सप्ताहांतों के दौरान विशेष रूप से गोल्फ खेलने के लिए श्रीनगर आने लगे हैं और उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह की खेल गतिविधियां पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में जब भी लंबा सप्ताहांत होता है कई गोल्फ

खुशी की उड़ान ने उन माताओं के चेहरे पर मुस्कान लौटाई, जो अपनों के इंतजार में थीं

मातृ दिवस पर वृद्धाश्रम में बिखरी खुशियों की मुस्कान।

खुशी की उड़ान संस्था ने वृद्ध माताओं के साथ मनाया मातृ दिवस, दिए उपहार और बिताए अनमोल पल।

वाराणसी(एजेंसी) : मातृ दिवस के पावन अवसर पर खुशी की उड़ान संस्था द्वारा दुगार्कुंड स्थित राजकीय वृद्धाश्रम, वाराणसी में एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने वृद्धाश्रम में रह रही माताओं के साथ समय बिताकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान माताओं को उपहार भेंट किए गए, प्रेम और सम्मान के साथ मातृ दिवस मनाया गया।

संस्था की टीम ने वृद्ध माताओं के साथ गीत-संगीत,नृत्य, हंसी-मजाक और आत्मीय संवाद के माध्यम से ऐसा माहौल बनाया कि पूरा वृद्धाश्रम परिवारिक स्नेह से भर उठा। कई माताओं की आंखें भावुक हो उठीं और उन्होंने संस्था के इस प्रयास की सराहना की।

इस अवसर पर खुशी की उड़ान संस्था की संस्थापिका सारिका दुबे ने कहा –

ह्यमां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति और त्याग का स्वरूप होती हैं। वृद्धाश्रम में रह रही माताओं के चेहरे पर मुस्कान लाना हमारे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। हमारा प्रयास है कि कोई भी मां खुद को अकेला महसूस न करे। समाज के हर व्यक्ति को अपने जीवन में माताओं के सम्मान और सेवा के लिए आगे आना चाहिए।कार्यक्रम में संस्था की टीम रितेश मिश्रा, आहिल खान, रिया, प्रेमलता, प्रीति, शीतांशु, मोहित, सागर, हिमांशु, मुस्कान साहू, आशीष जायसवाल, पूनम जायसवाल अन्य उपस्थित रही साथ में बाबा जी की फ्री पाठशाला से राजीव टंडन व आरती टंडन जी भी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने वृद्ध माताओं के साथ आत्मीयता से समय बिताकर मातृ दिवस को यादगार बना दिया। संस्था के इस मानवीय प्रयास की लोगों द्वारा खूब सराहना की जा रही है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भावुक पल, छात्रा ने गीत गाकर विधायक बनी मां का किया स्वागत

कोलकाता, (एजेंसी) : आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में रविवार को भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जब एक छात्रा ने गीत के माध्यम से उस मां का स्वागत किया, जिसकी बेटी की दर्दनाक मौत ने कभी पूरे राज्य को झकझोर दिया था। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से विधायक निर्वाचित हुईं इस मां के कॉलेज पहुंचते ही छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों के बीच गहरी संवेदना का माहौल बन गया।

मौके पर मौजूद पार्टी सहयोगी सोनिया जोसफ ने बताया कि कॉलेज परिसर में एक छात्रा ने गीत प्रस्तुत कर उनका स्वागत किया। गीत की पंक्तियों में संघर्ष, साहस और न्याय की मांग को प्रमुखता से उभारा गया। छात्रा ने गाया- ह्लतुम सच हो, तुम आग हो, तुम लड़ाई का चेहरा हो, बंगाल तुम्हारे साथ है, बुराई के काले चेहरे को तोड़ दो। मैदान में उतर कर लड़ाई करो तुम मां हो, झूठ को मिटा दोगी और बेसहारों को न्याय मिलेगा।

गीत आगे बढ़ते हुए मां के संघर्ष और शक्ति को समर्पित रहा। गीत की अन्य पंक्तियों में कहा गया- ह्लतुम सत्य हो, तुम संध्या हो, तुम मां दुर्गा हो। असुरों का दमन तुम्हारे हाथों होगा मां। रत्ना मां की आंखों के आंसुओं का जवाब जनता देगी, अभया के साथ हुए अन्याय का बदला अब जनता लेगी।

इन मार्मिक पंक्तियों को सुनते ही कॉलेज परिसर का माहौल भावुक हो उठा। बेटी की यादों से जुड़े उसी परिसर में मौजूद मां की आंखें नम हो गईं। वहां उपस्थित कई छात्र-छात्राएं और अन्य लोग भी इस दृश्य को देखकर भावुक हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ क्षणों के लिए परिसर में गहरी खामोशी छा गई, जिसके बाद तालियों की गूंज सुनाई दी। कई लोगों ने इस भावुक पल को अपने मोबाइल फोन में कैद किया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।उल्लेखनीय है कि इसी कॉलेज में हुई छात्रा की मौत की घटना ने पूरे राज्य में न्याय की मांग को लेकर व्यापक बहस और आंदोलन को जन्म दिया था।

यूरिया मिश्रित अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

वाराणसी (एजेंसी) : चोलापुर पुलिस ने अवैध यूरिया मिश्रित कच्ची शराब बनाने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर धरमपुर बेला स्थित ईंट भट्ठे पर छापेमारी कर अमावास (25), राजकुमार (30) निवासी रौनाकला थाना चोलापुर तथा सुशील उरांव (46) निवासी लोहरदगा, झारखंड को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त भट्ठे पर अवैध शराब तैयार कर उसमें यूरिया व अन्य पदार्थ मिलाकर उसकी तीव्रता बढ़ाते थे। मौके से 50 लीटर यूरिया मिश्रित कच्ची शराब, 1250 लीटर लहन, 300 ग्राम यूरिया तथा शराब बनाने के उपकरण बरामद किए गए। बरामद लहन को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया।

इस संबंध में थाना चोलापुर में मु0अ0सं0 0177/2026, धारा 60(2) आबकारी अधिनियम एवं धारा 274 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सधुबन राम गौतम, उपनिरीक्षक चन्दन कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

भुवनेश्वर में चमका टैलेंट, फील स्टार मिस्टर एंड मिस इंडिया सीजन 2 ऑडिशन भव्य अंदाज में संपन्न

भुवनेश्वर(एजेंसी) :9 मई शनिवार को भुवनेश्वर में आयोजित फील स्टार मिस्टर एंड मिस इंडिया सीजन 2 का ऑडिशन बेहद शानदार और यादगार माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना से हुई, जिसने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद ओडिशा की पारंपरिक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति ने मंच पर रंग जमा दिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस ऑडिशन में ओडिशा के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों—बच्चों से लेकर युवाओं और प्रोफेशनल मॉडल्स तक—ने अपने हुनर, आत्मविश्वास और स्टेज प्रेजेंस से सभी का दिल जीत लिया। हर परफॉर्मेंस में एक अलग ही जोश और जुनून देखने को मिला, जिसने यह साबित कर दिया कि ओडिशा टैलेंट के मामले में किसी से कम नहीं है।

कार्यक्रम में जज के रूप में नेशनल लेवल फैशन मॉडल और सेलिब्रिटी कोरियोग्राफर डायरेक्टर सुधीर कुमार बारिक, लीडिंग एक्ट्रेस लिपिका परिदा और टॉप मॉडल सिनिधी ने अपनी विशेषज्ञता के साथ निष्पक्ष और बेहतरीन जजमेंट किया, जिससे प्रतिभागियों को सही दिशा और प्रेरणा मिली।इस आयोजन के मुख्य स्तंभ रहे फील स्टार के ऑनर और डायरेक्टर मयूर नंदन, जिनके साथ फाउंडर एवं को-फाउंडर पूनम नंदन ने भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। मयूर नंदन ने कहा कि ओडिशा में अपार प्रतिभा छिपी हुई है, जिसे सही मंच मिलने पर वह राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए सुधीर कुमार बारिक का विशेष आभार व्यक्त किया।

वहीं पूनम नंदन ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यहाँ का टैलेंट केवल फील स्टार मिस्टर एंड मिस इंडिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म फील स्टार यूनिवर्स में भी अपनी छाप छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस स्तर का प्रदर्शन इस ऑडिशन में देखने को मिला है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि ओडिशा से कोई न कोई प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बैंकॉक तक जरूर पहुंचेगा।यह आयोजन केवल एक ऑडिशन नहीं, बल्कि सपनों को नई उड़ान देने वाला मंच साबित हुआ, जहाँ प्रतिभा, संस्कृति और ग्लैमर का अनोखा संगम देखने को मिला।

हमारी बुजुर्ग माताएं, हमारी नींव

वृद्धजन आवास में गर्मी से राहत देने हेतु एमबीएस परिवार द्वारा कुलर भेंट

वाराणसी।नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।

नास्ति मातृसमं त्राणं, नास्ति मातृसमा प्रिया॥

अर्थात – माता के समान कोई छाया नहीं, माता के समान कोई सहारा नहीं, माता के समान कोई रक्षक नहीं और माता के समान कोई प्रिय नहीं होता।

मातृ दिवस के अवसर पर सारनाथ स्थित वृद्धजन आवास वृद्धाश्रम में महिला भूमिहार समाज (टइर) के सदस्यों ने वृद्ध माताओं के साथ यह विशेष दिन प्रेम, सम्मान और अपनत्व के साथ मनाया। सभी ने माताओं के साथ समय बिताया, उनके सुख-दुख को जाना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। सच ही कहा गया है –

ह्लईश्वर का स्वरूप है मां, मेरे जीवन का रंगरूप है मां।ह्व

महिला भूमिहार समाज की संस्थापिका डॉ. राजलक्ष्मी राय ने

कहा कि वृद्ध माताओं के साथ कुछ पल बिताना हम सभी का सौभाग्य है। मातृ ऋण से मनुष्य कभी मुक्त नहीं हो सकता। मां केवल जन्म ही नहीं देती, बल्कि वह निस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति होती है। जीवन के इस पड़ाव पर जब माताएं अपनों के साथ की कमी महसूस करती हैं, तब उनके बीच बैठकर उन्हें अपनापन देना ही सच्ची सेवा है। उनकी मुस्कान हमारे लिए सबसे बड़ा उपहार है।

कार्यक्रम के दौरान महिला भूमिहार समाज की सभी सदस्याओं ने माताओं को भोजन कराया, उनके साथ बैठकर भजन-कीर्तन किया तथा आत्मीय संवाद के माध्यम से उन्हें परिवार जैसा स्नेह देने का प्रयास किया। अपनों से दूर आश्रम में रह रही माताओं की आंखों में खुशी और भावुकता देखकर मशहूर शायर मुनव्वर राना की पंक्तियां याद आ गईं –

ह्लइस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है,

मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है।

इस अवसर पर महिला भूमिहार समाज की सदस्य किरण सिंह ने वृद्धजन आवास में गर्मी से राहत देने हेतु सप्रेम कुलर भेंट किया। कार्यक्रम में डॉ. राजलक्ष्मी राय, पूनम सिंह, डॉ. मंजुला चौधरी,शकुंतला राय, वंदना सिंह, सोनी राय, विजयता राय, प्रतिमा सिंह, चंद्रकला राय, सरिता राय एवं बबीता राय,उमा, अनिता, सीमा, सौम्या, विनीता, प्रिया, सुषमा,उर्मिला,अंबू,स्वर्णा ,सरिता ,सुमन,मधु सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

दिल्ली-हलवारा उड़ान 15 मई से शुरू होगी, उद्घाटन फ्लाइट की सिर्फ 40 फीसदी सीटें बुक

चंडीगढ़, (एजेंसी) : हलवारा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए बहुप्रतीक्षित पहली उड़ान 15 मई को सुबह 5:55 बजे रवाना होगी। इसके साथ ही हलवारा एयरपोर्ट आधिकारिक तौर पर संचालन शुरू कर देगा, जिसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। हालांकि, शुरूआत में यात्रियों का उत्साह उम्मीद के मुताबिक नजर नहीं आ रहा है।

उद्घाटन उड़ान के लिए अब तक केवल लगभग 40 फीसदी सीटों की ही बुकिंग हुई है। इस रूट पर 138 सीटों वाले विमान के संचालन की तैयारी है। अधिकारियों का मानना है कि नए एयरपोर्ट पर लोगों का भरोसा बनने में करीब छह महीने तक का समय लग सकता है। दिल्ली से हलवारा आने वाली पहली उड़ान के साथ-साथ हलवारा से दिल्ली लौटने वाली सुबह की उड़ान में भी यात्रियों की संख्या कम है। वापसी उड़ान में अब तक केवल करीब 35 सीटें ही बुक हुई हैं। आगामी दिनों की फ्लाइट्स में बुकिंग महज 10 से 15 प्रतिशत तक पहुंची है।

एयर इंडिया के अधिकारियों का कहना है कि आने वाले कुछ महीनों तक स्थिति पर नजर रखी जाएगी और यात्रियों का भरोसा जीतने की कोशिश की जाएगी।

एसोसिएशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रियल अंडरटेकिंग्स के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने बताया कि उन्होंने जून में कोलकाता जाने के लिए हलवारा से टिकट बुक करने पर विचार किया था, लेकिन लंबा लेओवर होने के कारण यह विकल्प सुविधाजनक नहीं लगा।

कई यात्री अभी भी शताब्दी एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों को अधिक सुविधाजनक और भरोसेमंद मान रहे हैं। जानकारों का कहना है कि हवाई सेवा को लोकप्रिय होने में अभी समय लगेगा।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

धनबाद, सोमवार 11 मई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

राजस्थान के जैसलमेर में लें दुबई जैसा आनंद

इस समय भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है. सर्दियों के सीजन में लोग ऐसी जगहें घूमने का प्लान करते हैं, जहां गुनगुनी धूप के साथ एडवेंचर एक्टीविटी का भी मजा मिले. इसके लिए आप राजस्थान के गोल्डन सिटी में घूमने का प्लान बनाएं. जैसलमेर सर्दियों मे घूमने क लिए सबसे बेस्ट जगहों मे से एक है. यहां पर आपको दुबई वाली फीलिंग मिलने वाली है क्योंकि डेजर्ट सफारी का भी मजा एक अलग ही होता है. इसके साथ ही रेत के मैदान मे मिलने वाले शानदार नजारे भी नजर आएंगे. रात को आप साफ-सुथरे आसमान के बीच टिमटिमाते तारों के अलावा दूरबीन की मदद से आसमान को भी निहारने का मौका पा सकते है. दिल्ली से जैसलमेर की ट्रिप का प्लान करना भी काफी आसान होता है. यहां पर घूमने-फिरने के साथ खाने के भी ऑप्शन मिलेंगे और आप दो रात तीन दिन मे जैसलमेर के खूबसूरत नजारों को लेकर वापस भी लौट सकते है. यदि आप भी घूमने का प्लान बना रही है, तो जैसलमेर बेस्ट डेस्टिनेशन हो सकती है.

रेत के मैदान में शानदार नजारे

यूनेस्को में शामिल सोनार किला

जैसलमेर का सोनार किला दूर से ही दिखाई देता है. गोल्डन रंग के इस किले में अंदर पतली कलरफुल गलियां, हवेलियां, तोपें, मंदिर और म्यूजियम भी है. ये किला अंदर से किसी छोटे शहर जैसा है जिसमें अभी भी लोग रहते हैं. यदि आप सेफ्टी के साथ ही बजट में ट्रैवल करना चाहते हैं, तो ट्रेन का ऑप्शन बेस्ट है. खासतौर पर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से कई ट्रेने हैं, जो जैसलमेर के लिए चलती हैं. करीब 15 घंटे के रास्ते को नापकर आप राजस्थान के इस शहर में पहुंच सकते हैं. शाम के 6 बजे के करीब चलने वाली ट्रेन जैसलमेर सुबह 9 बजे आराम से पहुंचा देती है.

सम सैनड्यून्स

अगर रेगिस्तान को ओरिजनली देखना चाहते हैं तो यहां पर जरूर जाएं. लेकिन ये जगह जैसलमेर से 40 किमी दूर है. यहां पर जाने के लिए प्राइवेट लोकल कैब या टैक्सी करना सही होगा. यदि आप अकेले हैं तो बाइक भी ले सकते हैं. इधर आपको रेत का मैदान और छोटी झाड़ियां दिखाई देती हैं जो किसी सपने की तरह लगती हैं. सम सैनड्यून्स में आपको कई तरह की एक्टीविटीज करने को मिल जाएंगी.

तनोट माता मंदिर

पाकिस्तान की सीमा से लगा ये मंदिर बेहद खास है. इस मंदिर को अर्मी ने डेवलप किया है और यहां तक जाने के लिए राजस्थान की रोडवेज बसें भी चलती हैं. इस मंदिर से आगे ही एक घंटे की दूरी पर लोंगेवाला वार म्यूजियम है. ■■■

क्या आपका पार्टनर भी प्लानिंग से भागता है?

ये एकतरफा प्यार का संकेत है

क्या आपको लगता है कि रिश्ते में ज्यादा कोशिश आप ही कर रहे हैं? बात शुरू करना हो, कॉल करना हो या मिलने का प्लान-सब कुछ आप ही करते हैं? अगर ऐसा है, तो मुमकिन है कि आपका पार्टनर इमोशनली आपसे जुड़ा हुआ न हो. ऐसे लोग बुरे नहीं होते, लेकिन उनकी दूरी रिश्ते को एकतरफा बना देती है. धीरे-धीरे यही दूरी आपको अकेला, कन्फ्यूज और दुखी महसूस कराने लगती है.

दिल की बातों से भागना

ऐसे पार्टनर अक्सर दिल की बातों से बचते हैं. आप उनसे खुलकर बात करना चाहते हैं, लेकिन जवाब में सिर्फ 'हां', 'ठीक है' या चुप्पी मिलती है. बात गहरी होते ही वे टॉपिक बदल देते हैं, क्योंकि अपनी भावनाएं बताना उन्हें मुश्किल लगता है.

भविष्य की बात आते ही दूरी बनाना

जब भविष्य की बात आती है, तो वे और भी असहज हो जाते हैं. साथ घूमने, परिवार से मिलवाने या रिश्ते को नाम देने की बात पर वे टालमटोल करते हैं. वे कहते हैं कि उन्हें बस आज में जीना है. यह अक्सर कमिटमेंट से डरने का संकेत होता है. उनका प्यार भी स्थिर नहीं होता. कभी बहुत केयर दिखाते हैं, फिर अचानक कई दिनों तक गायब हो जाते हैं. इससे आप हर समय अनिश्चित और परेशान रहते हैं.

आपकी भावनाओं को सीरियस न लेना

अगर आप अपनी भावनाएं बताते हैं और वे उसे 'ज्यादा सोच रही हो' या 'ड्रामा मत करो' कहकर टाल देते हैं, तो यह भी एक बड़ी चेतावनी है. ■■■

मुंबई है 'भारत की कॉटन सिटी'

क्या आप जानते है किस शहर को कहा जाता है ''भारत की कॉटन सिटी'? जब हम मुंबई के बारे मे सोचते है, तो सबसे पहले हमारे दिमाग मे ऊंची इमारतें, समुद्र और देश की 'वित्तीय राजधानी' की छवि आती है, लेकिन क्या आप जानते है कि इस शहर की ऐतिहासिक नींव 'सफेद सोने' यानी कपास पर टिकी है? जी हां, मुंबई को 'भारत की कॉटन सिटी' का गौरवशाली खिताब हासिल है. यह शहर केवल फिल्मों या शेयर बाजार का केंद्र नहीं रहा, बल्कि एक दौर मे इसने भारत के सूती वस्त्र उद्योग की दिशा और दशा दोनों बदल दी थी. आखिर कैसे मुंबई बना देश का सबसे बड़ा टेक्सटाइल हब और इसका भारतीय अर्थव्यवस्था मे क्या योगदान रहा? आइए, इस दिलचस्प कहानी को जानते है.

मुंबई ही क्यों है 'कॉटन सिटी'?

मुंबई को 'कॉटन सिटी' कहे जाने की सबसे बड़ी वजह इसका सूती वस्त्र उद्योग में दबदबा होना है. औपनिवेशिक काल के दौरान, यह शहर भारत में कपड़ा मिलों और सूती धागे के उत्पादन का सबसे बड़ा केंद्र बन गया था. उस दौर में मुंबई ने कॉटन प्रोसेसिंग, स्पिनिंग मिलों और टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग में इतनी तरक्की की कि यह न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में कपड़े के व्यापार का एक प्रमुख हब बन गया.

सफलता के पीछे के मुख्य कारण

मुंबई के इस उद्योग में सबसे आगे निकलने के पीछे कई ठोस कारण थे: बंदरगाह और रेलवे: शहर के पास बेहतरीन बंदरगाह और रेलवे कनेक्टिविटी थी, जिससे कच्चा माल लाना और तैयार कपड़ा दुनिया भर में भेजना बहुत आसान था. मजदूरों की उपलब्धता: मिलों में काम करने के लिए पर्याप्त संख्या में कुशल और मेहनती मजदूर मौजूद थे. व्यापारिक ढांचा: यहां की वित्तीय व्यवस्था और बैंकों ने व्यापार को बढ़ावा दिया. इन सभी सुविधाओं ने मिलकर मुंबई को एक विशाल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग हब बना दिया. ■■■

मां-बाप की निगरानी में रहेंगे बच्चों के अकाउंट

वाट्सअप का पैरेंटल कंट्रोल

वाट्सअप अपने यूजर्स को सुविधा देने के लिए नए-नए फीचर्स लेकर आते रहता है. आज के समय मे दुनियाभर मे करोड़ों लोग वाट्सअप का इस्तेमाल कर रहे हैं. कंपनी यूजर्स को बेहतरीन एक्सपीरियंस देने के लिए एक से बढ़कर एक फीचर्स लेकर आती रहती है. अब वाट्सअप अपने प्लेटफॉर्म पर नाबालिग यूजर्स की सुरक्षा को बेहतर करने की दिशा मे एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है. हाल ही रिपोर्ट से पता चला है कि मैसेजिंग ऐप एक नए फीचर की टेस्टिंग कर रहा है, जिसके जरिए माता-पिता अपने बच्चों के अकाउंट की प्राइवेसी और इंटरैक्शन को कंट्रोल कर पाएंगे. दरअसल, वाट्सअपफीचर ट्रैकर WABetaInfo की हालिए रिपोर्ट से पता चला है कि कंपनी 18 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए सेकंडरी अकाउंट नाम का नया सिस्टम तैयार कर रहा है.

क्या है सेकंडरी अकाउंट

साधारण शब्दों में बताए तो सेकंडरी अकाउंट खासतौर पर बच्चों और किशोरों के लिए डिजाइन किए जाएंगे. इन खास अकाउंट्स को एक प्राइमरी अकाउंट से कनेक्ट कर दिया जाएगा, जो कि माता-पिता या अभिभावक का हो सकता है. दोनों अकाउंट्स को एक खास तरह के लिंक के जरिए जोड़ा जाएगा.

पैरेंट्स को मिलेंगे ये कंट्रोल

रिपोर्ट के अनुसार, पैरेंट अकाउंट से बच्चे के अकाउंट की कई गोपनीयता सेटिंग्स को नियंत्रित किया जा सकेगा. प्राइमरी अकाउंट के जरिए यह तय किया जा सकेगा कि बच्चे की प्रोफाइल फोटो, लास्ट सीन और "About" जानकारी कौन देख सकता है. इसके अलावा, रीड रिसीट्स यानी ब्लू टिक को ऑन या ऑफ करने का विकल्प भी उपलब्ध होगा. इसके अतिरिक्त, कौन बच्चे को ग्रुप में ऐड कर सकता है इसका कंट्रोल भी पैरेंट्स के पास होगा. ■■■

ऑक्सीडाइज चोकर सेट स्टाइल करें

जब भी खूबसूरत दिखने की बात आती है, तो हम अक्सर ऐसी डिजाइन वाले आउटउफिट सर्च करते है, जिसको वियर करके आपका लुक अट्रैक्टिव नजर आए. ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक काफी अच्छा लगता है. लेकिन महिलाओं को आउटफिट के साथ ज्वेलरी वियर करना भी काफी पसंद होता है. ऐसे मे अगर आप भी प्लेन आउटफिट वियर कर रही है, तो आप इसके साथ ऑक्सीडाइज चोकर सेट स्टाइल कर सकती है. ऐसे मे आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट डिजाइन आइडियाज ले सकती है.

हसली डिजाइन ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट

आप सिंपल डिजाइन सूट के साथ हसली डिजाइन वाले चोकर सेट को कैरी कर सकती हैं. इस तरह के चोकर सेट ट्रेडिशनल के साथ ही ट्रेंडी भी लगते हैं. इस नेकलेस में प्लेन वर्क भी आता है और यह वर्क में भी आते हैं. आप अपने आउटफिट के कलर और डिजाइन के हिसाब से चूज करके वियर कर सकती हैं. जिससे कि आप पार्टी में बेहद खूबसूरत नजर आएं.

एंटीक ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट

अपने लुक को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप एंटीक ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट कैरी कर सकती हैं. यह सेट पहनने के बाद काफी अच्छा लगता है. वहीं इसको वियर करने से आपका लुक भी काफी खूबसूरत लगेगा. इसके पेंडेंट पर एंटीक डिजाइन मिलेगा. आप इसको किसी भी प्लेन डिजाइन वाले आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं. आप चाहें तो इस तरह के चोकर सेट आपको किसी को गिफ्ट भी कर सकती हैं.

फ्लोरल डिजाइन ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट अच्छा ऑप्शन

प्लेन आउटफिट के साथ पहनने के लिए फ्लोरल डिजाइन ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट अच्छा ऑप्शन है. मार्केट में इस तरह के चोकर सेट आसानी से मिल जाएंगे. इसको आप एथनिक से लेकर वेस्टर्न आउटफिट के साथ वियर करके अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं.

लेयर ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट

लेयर ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट को कैरी करने से आप बेहद सुंदर नजर आएंगी. इस तरह के सेट पहनने पर काफी अच्छे लगते हैं. वहीं आपका लुक भी अट्रैक्टिव नजर आएगा. इस तरह के चोकर सेट आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे. आप किसी भी डिजाइन के प्लेन आउटफिट के साथ लेयर ऑक्सीडाइज्ड चोकर नेकलेस सेट स्टाइल कर सकती हैं. ■■■

अब हॉट चॉकलेट नहीं करेगा बीमार

सर्दियों के दौरान जब ठंड ज्यादा लगती है, तो ऐसे मे लोग हॉट चॉकलेट ड्रिंक का सेवन जरूर करते है. विंटर मे गर्म दूध, हॉट चॉकलेट और कॉफी सहित कई हॉट ड्रिंक्स को लोग अपनी डाइट मे जरुर शामिल करते है. इससे न केवल शरीर को अंदर से गर्माहट मिलती है, बल्कि ठंडे मौसम मे इनका स्वाद भी खूब पसंद आता है. सबसे ज्यादा लोग सर्दियों मे हॉट चॉकलेट का सेवन करते है. हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि हॉट चॉकलेट को बनाते समय अगर आप कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ये आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद हो सकता है. यदि आप इसे गलत तरीके से बनाएंगी, तो इससे अपच, थकान और डायबिटीज का बढ़ना जैसी दिक्कते भी हो सकती है.

बनाने का सही तरीका

- यदि आप सर्दियों में हॉट चॉकलेट पीना चाहते हैं, तो ये इस मौसम के लिए बेस्ट है. इसको आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकती हैं, लेकिन आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि ये आपकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए. इस बात को जान लीजिए कि हॉट चॉकलेट एक मिल्क बेस्ड ड्रिंक है और इसे पचाना काफी मुश्किल होता है.
- इसलिए इसे मील्स के साथ या भारी खाने के तुरंत बाद न लें. अक्सर इसे पीने के बाद पेट भारी रहता है या बहुत फूला हुआ लगता है. इसे कम करने के लिए आप हॉट चॉकलेट बनाते समय इसमें अदरक और दालचीनी मिलाएं.

हल्का दूध चुनें

- अदरक और दालचीनी का तासीर गर्म होती है और यह सर्दियों के मौसम में काफी फायदेमंद है. इसके सेवन से शरीर को गर्माहट मिलेगी, सर्दी-खांसी नहीं होती है और इंफेक्शन से बचाव होता है.
- हॉट चॉकलेट के लिए आप हल्का दूध चुनें. फुल क्रीम मिल्क इसके लिए ठीक नहीं है. आप A2 मिल्क या ओट मिल्क का इस्तेमाल कर सकती हैं. इसके ऊपर किसी भी तरह की हैवी क्रीम न डालें.
- अगर आप हैवी मिल्क के साथ इसे बनाकर पीने से गैस, अपच और बदहजमी हो सकती है. इसमें शक्कर भी न डालें वरना डायबिटीज का खतरा हो सकता है. ■■■

युवाओं के लिए अवसरों से भरपूर 'फार्मा सेक्टर'

दवाइयों की एक छोटी-सी गोली के पीछे वर्षों की रिसर्च, तकनीक और विशेषज्ञता छिपी होती है. स्वास्थ्य सुरक्षा आज केवल जरूरत नहीं, बल्कि प्राथमिकता बन चुकी है. ऐसे समय में फार्मेसी एक ऐसा करिअर विकल्प बनकर उभरा है, जिसकी मांग न केवल वर्तमान में, बल्कि भविष्य में भी लगातार बनी रहने वाली है. महामारी, आपदा या सामान्य जीवन, हर परिस्थिति में फार्मा सेक्टर समाज की रीढ़ साबित हुआ है. दवा निर्माण, क्लिनिकल ट्रायल और मेडिकल रिसर्च के बढ़ते दायरे ने इस क्षेत्र को युवाओं के लिए अवसरों से भरपूर बना दिया है.

शैक्षणिक योग्यता और कोर्स

फार्मेसी में करिअर बनाने के लिए छात्रों को 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास होना आवश्यक है. बायोलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स या मैथ्स के साथ 12वीं करने वाले छात्र फार्मेसी कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं. अधिकतर संस्थानों में प्रवेश कट-ऑफ या प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है.

डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी. फार्मा.)

यह 2 वर्षीय कोर्स है, जो फार्मेसी सेक्टर की आधारभूत जानकारी देता है. इसके बाद अस्पतालों में ट्रेनिंग भी कराई जाती है. यह कोर्स करने के बाद छात्र फार्मासिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं.

बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी. फार्मा.)

यह 4 साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है. इसमें दवाइयों के निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण और वितरण से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी जाती है. यह फार्मा इंडस्ट्री में प्रवेश के लिए सबसे लोकप्रिय कोर्स है.

मास्टर ऑफ फार्मेसी (एम. फार्मा.)

बी. फार्मा. के बाद छात्र 2 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते हैं. इसमें फार्माकोग्नॉसी, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग, बायोकेमिस्ट्री जैसे स्पेशलाइजेशन उपलब्ध हैं. एम. फार्मा. में प्रवेश के लिए जीपीएटी परीक्षा देनी होती है. रिसर्च में रुचि रखने वाले छात्र पीएचडी भी कर सकते हैं.

अवसर

रिसर्च और डेवलपमेंट - इसमें नई-नई दवाइयों की खोज और विकास संबंधी कार्य किया जाता है. इस क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, शोध व विश्लेषण, एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आर एंड डी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता है.

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग - इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बायोलॉजिस्ट, फार्माकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इन्वेस्टिगेटर बन सकते हैं.

फार्मासिस्ट - हॉस्पिटल फार्मासिस्ट पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण की जिम्मेदारी होती है.

क्लिनिकल रिसर्च - इसमें नई लॉन्च मेडिसिन के बारे में रिसर्च होती है कि वह कितनी सुरक्षित और असरदार है. दवाइयों के स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है.

क्वालिटी कंट्रोल - नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं.

ब्रांडिंग और सेल्स - मार्केटिंग प्रोफेशनल उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी नजर रखते हैं कि किस प्रोडक्ट के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं, जिसके मुताबिक प्लानिंग की जाती है.

मेडिकल इन्वेस्टिगेटर - यह नई दवाइयों के टेस्टिंग और डेवलपमेंट की प्रक्रिया से संबंधित है. हॉस्पिटल फार्मासिस्ट पर मेडिसिन और अन्य मेडिकल संबंधी सामग्रियों के स्टॉकिंग और डिस्ट्रिब्यूशन की जिम्मेदारी होती है.

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट - फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए होता है. उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है.

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, हैदराबाद
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, दिल्ली
- इंस्टीटयूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय
- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
- मणिपाल कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज,

स्ट्रैटेजिक प्लानिंग के साथ करें प्रैक्टिकल की तैयारी

बोर्ड (12वीं क्लास) की प्रैक्टिकल परीक्षाएं केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि कुल अंकों में उनका योगदान निर्णायक होता है. सीबीएसई, आरबीएसई और अन्य बो* में प्रैक्टिकल्स के अंक कई बार छात्रों के डिवीजन, मेरिट और करिअर विकल्प तय करते हैं. थ्योरी औसत हो व प्रैक्टिकल में सही तैयारी हो, तो रिजल्ट बेहतर हो सकता है. ■■■

प्रैक्टिकल्स का महत्व

शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, प्रैक्टिकल परीक्षा का यह उद्देश्य केवल प्रयोग करवाना नहीं, बल्कि यह जांचना होता है कि छात्र ने विषय को कितना समझा है और उसे कैसे लागू करता है. बोर्ड पैटर्न के अनुसार, प्रैक्टिकल्स में प्रयोग, वाइवा, प्रोजेक्ट/फाइल और रिकॉर्ड बुक के अंक शामिल होते हैं.

तथ्य - प्रैक्टिकल फाइल और मजबूत वाइवा करने वालों को औसतन 15-20% अधिक अंक मिलते हैं.

स्पष्ट रूप से समझें

प्रैक्टिकल तैयारी की शुरुआत सिलेबस से होती है. अक्सर छात्र यह गलती करते हैं कि वे केवल अनुमान से तैयारी करते हैं.

टिप्स - सब्जेक्ट टीचर से पूरी प्रैक्टिकल लिस्ट लें. जो पूछे जा सकते हैं, उन प्रयोगों की जानकारी पहले से प्राप्त करें.

फाइल व रिकॉर्ड बुकः आसान अंक

शैक्षणिक अध्ययन बताते हैं कि बोर्ड परीक्षक सबसे पहले फाइल और रिकॉर्ड बुक पर ध्यान देते हैं.

टिप्स - फाइल साफ-सुथरी और समय पर पूरी करें. डायग्राम पेंसिल से साफ और लेबल सहित बनाएं. प्रयोग की भाषा सरल और स्पष्ट रखें.

प्रयोग की तैयारी ऐसे करें

पहले से अभ्यास करें, क्योंकि इससे प्रयोग के दौरान अधिक आत्मविश्वास विकसित कर पाएंगे.

टिप्स - हर प्रयोग को 2-3 बार दोहरा लें. प्रयोग से पहले उसके स्टेप्स मन में याद करें.

वाइवा में प्रदर्शन

इससे स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा डर लगता है जबकि रिसर्च बताती है कि वाइवा में पूछे जाने वाले 70% सवाल प्रैक्टिकल फाइल और प्रयोग से जुड़े होते हैं.

टिप्स - उद्देश्य, उपकरण और रिजल्ट से जुड़े प्रश्नों की तैयारी करें. उत्तर छोटे, स्पष्ट और आत्मविश्वास से दें. अगर जवाब न आए, तो शांत रहें और ईमानदारी से मना कर दें. प्रयोग से जुड़ी बेसिक थ्योरी जरूर दोहराएं.

टाइम मैनेजमेंट व प्रेजेंटेशन

शिक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रैक्टिकल परीक्षा में प्रेजेंटेशन स्किल भी अंकों को प्रभावित करती है.

टिप्स - प्रयोग के दौरान जल्दबाजी न करें. उत्तर लिखते समय हैंडराइटिंग साफ रखें और परीक्षक के निर्देश ध्यान से सुनें.

मानसिक तैयारी व आत्मविश्वास

परीक्षा से पहले अत्यधिक तनाव प्रैक्टिकल प्रदर्शन सहित परीक्षाओं को प्रभावित कर सकता है.

टिप्स - परीक्षा से एक दिन पहले नया कुछ न पढ़ें. पूरी नींद लें और परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचें. तनाव से बचना चाहिए.